वर्ष-3, अंक-223
इन्दौर, मंगलवार
12 नवम्बर 2024
पृष्ठ 8, मूल्य 2 रु.

दैनिक
राष्ट्रीय जनभावना

RNI-MPHIN/2013/53761

चाणक्य नीति
चाणक्य कहते हैं कि अधिक लाड़ प्यार करने से बच्चों में अनेक दोष उत्पन्न हो जाते हैं। इसलिए यदि वे कोई गलत काम करते हैं तो उसे नजरअंदाज करके लाड़-प्यार करना उचित नहीं है। बच्चे को डाँटना भी आवश्यक है। -चाणक्य

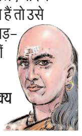

इन्दौर प्रधान संपादकः सुनील वर्मा मो.: 9425491979, 7000877686, E-mail: janbhavna.ind@gmail.com

तीन नए जिले, एक नया संभाग और तहसीलों का

परिसीमन कर मोहन सरकार बदलेगी मध्यप्रदेश का नक्शा

भोपाल। मध्यप्रदेश के प्रशासनिक नक्शे में जल्द ही बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। सितंबर 2023 में शिवराज सरकार ने प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग का गठन किया था। इस आयोग का काम है, राज्य के संभागों, जिलों और तहसीलों की सीमाओं का नए सिरे से निर्धारण करना। इसके पीछे सरकार का उद्देश्य प्रशासन को और अधिक चुस्त-दुरुस्त और जनता के लिए सुलभ बनाना है। इस कवायद में 3 नए जिले , एक नया संभाग, कुछ नई तहसीलें बनाने और कुछ तहसीलों को दूसरे जिलों में शामिल करने पर विचार चल रहा है। इस आयोग के सदस्य रिटायर्ड आईएएस मनोज श्रीवास्तव और मुकेश कुमार शुक्ला जैसे अधिकारी हैं। यह आयोग अब तक भोपाल, सागर और ग्वालियर संभाग के जिलाधिकारियों से चर्चा कर चुका है। इस महीने बाकी संभागों के साथ भी बैठकें होनी हैं। इसके बाद जिला स्तर पर प्रक्रिया पूरी कर आयोग अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपेगा।

सतना की नौवीं तहसील बनेगा चित्रकूट

अब बात करते हैं तहसीलों की। सतना जिले में चित्रकूट को नई तहसील बनाने का फैसला हो चुका है। राजस्व विभाग ने इसके लिए अधिसूचना भी जारी कर दी है। 24 नवंबर को चित्रकूट सतना की नौवीं तहसील बन जाएगा। चित्रकूट तहसील को मझगंवा को तोड़कर बनाया गया है। इसमें 111 गांव होंगे। बैतूल जिले की मुलताई तहसील को पांढुर्णा में शामिल किया जा सकता है। भौगोलिक रूप से मुलताई पांढुर्णा के ज्यादा करीब है। बैतूल से मुलताई की दूरी 59 किलोमीटर है, जबकि पांढुर्णा से सिर्फ 40 किलोमीटर।

पीथमपुर इंदौर में होगा शामिल

धार जिले के औद्योगिक कस्बे पीथमपुर को इंदौर में शामिल करने की संभावना है। इंदौर से पीथमपुर की दूरी 26 किलोमीटर है, जबकि जिला मुख्यालय धार से 48 किलोमीटर। इन सभी बदलावों के बीच एक बात तय है कि दिसंबर 2023 के बाद जब तक 2025 की जनगणना का काम पूरा नहीं हो जाता, कोई नया संभाग, जिला या तहसील अस्तित्व में नहीं आएगा। जनगणना महानिदेशालय ने दिसंबर तक प्रशासनिक इकाइयों की सीमाओं को फ्रीज करने के निर्देश दिए हैं।

धार की कुक्षी तहसील को लेकर भी मांग

धार जिले की कुक्षी तहसील को बड़वानी में शामिल किए जाने का प्रस्ताव है। धार से कुक्षी की दूरी 102 किलोमीटर है, जबकि बड़वानी से महज 27 किलोमीटर।

संभागीय सीमाएं भी बदली जाएंगी

अब बात करते हैं संभागीय सीमाओं में बदलाव की। नर्मदापुरम संभाग में फिलहाल सिर्फ तीन जिले हैं- नर्मदापुरम, हरदा और बैतूल। यहां नरसिंहपुर जिले को जबलपुर संभाग से हटाकर नर्मदापुरम संभाग में शामिल किया जा सकता है। इसी तरह जबलपुर संभाग के डिंडोरी जिले को शहडोल संभाग में शामिल किया जा सकता है।

निमाड़ को नया संभाग बनाने की मांग

निमाड़ को नया संभाग बनाने की चर्चा भी जोरों पर है। 2012 में पहली बार निमाड़ को संभाग बनाने की मांग उठी थी। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 1 जनवरी 2024 को इंदौर संभाग के खरगोन में हुई एक बैठक में निमाड़ को अलग संभाग बनाने पर विचार जताया था। योजना के मुताबिक, इंदौर संभाग के चार जिले – खरगोन, बड़वानी, बुरहानपुर और खंडवा – को मिलाकर नया संभाग बनाया जाएगा। अगर ऐसा होता है तो निमाड़ मध्यप्रदेश का 11वां संभाग होगा।

नर्मदापुरम से अलग होकर बनेगा पिपरिया जिला ?

सबसे पहले बात करते हैं नए जिलों की। नर्मदापुरम जिले से अलग होकर पिपरिया को नया जिला बनाने का प्रस्ताव है। पिपरिया के लोग काफी समय से इसकी मांग कर रहे हैं, क्योंकि जिला मुख्यालय से पिपरिया की दूरी करीब 70 किलोमीटर है और पहाड़ी इलाका होने की वजह से आने-जाने में करीब 2 घंटे लगते हैं। पिछले साल विधानसभा चुनाव के दौरान तो पिपरिया को जिला बनाने की मांग को लेकर धरना, प्रदर्शन और हड़ताल भी हुई थी।

नर्मदापुरम में शामिल होगी बुधनी तहसील

सीहोर जिले की बुधनी तहसील को नर्मदापुरम में शामिल किए जाने की संभावना है। बुधनी-सीहोर की दूरी 106 किलोमीटर है, जबकि नर्मदापुरम से सिर्फ 8 किलोमीटर।

विदिशा की सिरोंज तहसील को लेकर भी कवायद

इसी तरह विदिशा जिले की सिरोंज तहसील को भी नया जिला बनाने की मांग लंबे समय से की जा रही है। सिरोंज जिला मुख्यालय से 85 किलोमीटर दूर है, जिससे स्थानीय लोगों को प्रशासनिक कार्यों के लिए विदिशा आने-जाने में काफी परेशानी होती है। नए जिले को अस्तित्व में लाने के लिए लटेरी तहसील और सबसे बड़ी ग्राम पंचायत आनंदपुर को इसमें शामिल किया जा सकता है। हालांकि, आनंदपुर को गुना जिले में शामिल करने का भी सुझाव दिया जा रहा है क्योंकि गुना की दूरी आनंदपुर से सिरोंज के बराबर है।

शिमला में बड़ा हादसा,

धूं-धूं कर जलने लगे गांव के कई घर

शिमला (एजेंसी)। जिले के रोहड़ू उपमण्डल के स्मरकोट इलाके के सेरी गांव में भीषण अग्निकांड हुआ है। सोमवार तड़के करीब चार बजे गांव के एक घर में आग लग गई। आसमान चूमती लपटों ने देखते ही देखते साथ लगते घरों को जलाकर राख कर दिया। घरों की रसोई में रखे सिलेंडरों के ब्लास्ट होने से आग और भड़क गई। इस घटना में एक गाय की जिंदा जलने से मौत हो गई। आग ने पशुशालाओं को भी अपने आगोश में ले लिया। इसके अलावा आग से कपड़े, बिस्तर, बर्तन, खाद्यान्न समेत गृहस्थी का सारा सामान भी राख हो गया। लकड़ी के बने घरों से उठती आसमान टच करतीं लपटें देख पूरे गांव में हाहाकार मच गया। घरों में मौजूद लोगों ने भागकर जान बचाई। घंटों जूझने के बाद दमकल कर्मी आग पर काबू पा सके।

बाबा सिद्दीकी की हत्या करने वाला मुख्य शूटर गिरफ्तार

मुंबई (एजेंसी)। यूपी एसटीएफ और मुंबई अपराध शाखा की संयुक?त टीम ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की हत्या के मामले में मुख्य शूटर और चार अन्य को बहराइच जिले के नानपारा से गिरफ्तार किया है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि बाबा सिद्दीकी को मुंबई में बांद्रा इलाके के खेर नगर में उनके बेटे और विधायक जीशान सिद्दीकी के ऑफिस के बाहर 12 अक्टूबर की रात को तीन लोगों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। यूपी पुलिस के अपर पुलिस महानिदेशक ने बताया कि बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में शूटर शिवकुमार को एसटीएफ यूपी और मुंबई अपराध शाखा की संयुक्त टीम ने बहराइच जिले के नानपारा से गिरफ्तार किया है।

अपनी नगरी को नहीं बचा पा रहे पुतिन

यूक्रेन ने कर दिया सबसे बड़ा हमला

कीव। यूक्रेन ने 34 ड्रोन के साथ मास्को पर अब तक का सबसे बड़ा हमला किया है। इसकी वजह से मॉस्को के तीन प्रमुख एयरपोर्ट्स- डोमोडेडोवो, शेरेमेत्येवो और झुकोवस्की पर उड़ानों को डायवर्ट करना पड़ा। इस हमले में कम से कम पांच लोग घायल हो गए, जिससे मॉस्को और आसपास के क्षेत्र की सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं।

आरबीआई फरवरी 2025 में ब्याज दरों में मामूली कटौती करेगा!

मुंबई । देश के सबसे बड़े बैंक एसबीआई के अध्यक्ष सीएस सेट्टी को उम्मीद है कि आरबीआई फरवरी 2025 में ब्याज दरों में मामूली 25 बेसिस प्वाइंट की कटौती करेगा। उन्होंने कहा, हमारे मानना है कि ब्याज दर में पहली कटौती अगले साल फरवरी में संभव है। ऐसे में ग्राहकों को बैंक बचत योजनाओं पर मौजूदा ब्याज दरों के हिसाब से रिटर्न मिलता रहेगा, लेकिन बैंक से लोन लेने वाले लोगों को ब्याज दरों में कटौती के लिए फरवरी तक इंतजार करना पड़ सकता है।

दिल्ली में एक्यूआई आज भी खराब श्रेणी में बरकरार लोगों का घुट रहा दम

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में अगले कुछ दिनों तक प्रदूषण से ज्यादा राहत मिलने की संभावना कम है। मौसम विभाग के मुताबिक सोमवार को दिल्ली में मध्यम स्तर की धुंध रहने का अनुमान है। हवा चलने के बावजूद एक्यूआई में संतोषजनक सुधार नहीं हुआ है। दिल्ली में सोमवार को अधिकतम तापमान 32 और न्यूनतम तापमान 18 रहने का पूर्वानुमान है। 16 नवंबर तक मौसम में ज्यादा उतार-चढ़ाव की गुंजाइश कम है। दिल्ली में रविवार शाम को भी वायु गुणवत्ता 'बहुत खराब' में श्रेणी में दर्ज की गई। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार शाम चार बजे तक 24 घंटे का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 335 (बहुत खराब) रहा। दिल्ली में सुबह नौ बजे एक्यूआई 334 दर्ज किया गया था।

पुष्कर में रंग-बिरंगे पशुओं से सजा मेला, विदेशी भी पहुंचे। छाया : संदीप धांडे

किश्तवाड़ मुठभेड़ में सेना का कमांडो शहीद

जम्मू (एजेंसी)। वीडीसी के सदस्यों की हत्या और अपहरण करने वाले आतंकियों को सुरक्षा बलों के जवानों ने घेर लिया है। किश्तवाड़ जिले में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ के दौरान भारतीय सेना का एक पैरा कमांडो शहीद हो गया। जबकि तीन अन्य जवान घायल हो गए। अधिकारियों के अनुसार, यह वही आतंकी समूह है जो हाल ही में जिले में दो ग्राम रक्षा समिति (वीडीसी) के सदस्यों के अपहरण और हत्या के लिए जिम्मेदार माना जा रहा है। चास इलाके में हुई इस मुठभेड़ के दौरान प्रारंभिक गोलीबारी में चार जवान घायल हुए थे। सुरक्षा बलों ने घायल जवानों को अस्पताल में भर्ती कराया, जहां चिकित्सकों ने बताया कि पैरा कमांडो में से तीन गंभीर रूप से घायल हैं। नगरोटा कोर ने जानकारी दी कि आतंकवादियों की उपस्थिति के सटीक खुफिया इनपुट के आधार पर भारत रिज के सामान्य क्षेत्र में यह अभियान शुरू किया गया था।

नेतन्याहू ने स्वीकार किया बड़ा सच, बोले-

हमने दी थी पेजर हमलों की मंजूरी

तेल अवीव। इज़रायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने लेबनान में हुए पेजर हमलों की पुष्टि करते हुए स्वीकार किया है कि उन्होंने इन हमलों को मंजूरी दी थी। यह घटना 55 दिन पहले की है, जिसमें लेबनान में लगभग 40 लोग मारे गए और ईरान के समर्थन वाले हिज़्बुल्लाह के 3,000 से अधिक सदस्य घायल हुए थे। नेतन्याहू के प्रवक्ता ओमेर दोस्तरी ने बताया कि प्रधानमंत्री ने पेजर ऑपरेशन को स्वीकृति दी थी, जिसका उद्देश्य हिज़्बुल्लाह के संचार माध्यमों को बाधित करना था। 17 सितंबर को हिज़्बुल्लाह के ठिकानों पर लगातार दो दिन तक पेजर बमों के धमाके हुए, जिससे पूरे क्षेत्र में खलबली मच गई थी।

खालिस्तानी आतंकी पन्नू की राम मंदिर उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली। खालिस्तानी आतंकी और सिख फॉर जस्टिस (SFJ) के चीफ गुरपतवंत सिंह पन्नू ने नया वीडियो जारी कर अयोध्या में राम मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी दी है। मीडिया रिपोर्ट्स में इसका दावा किया गया है। वीडियो में वह राम मंदिर को निशाना बनाने की बात कह रहा है। साथ ही पन्नू ने कनाडा में भारतीय मूल के हिंदू सांसद चंद्र आर्य को भी धमकी दी है।

मणिपुर में सुरक्षाबलों ने 11 उग्रवादियों को मार गिराया

इम्फाल। मणिपुर के जिरिबाम जिले में सोमवार को CRPF जवानों ने एनकाउंटर में 11 कुकी उग्रवादियों को मार गिराया। सूत्रों के मुताबिक, असम सीमा से लगे संदिग्ध कुकी उग्रवादियों की फायरिंग में 2CRPF जवान भी घायल हैं। इनमें एक की हालत गंभीर है। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, कुकी उग्रवादियों ने दोपहर करीब 2.30 बजे बोरोबेकेरा के जकुराडोर करोंग में एक पुलिस स्टेशन पर हमला किया। इसके बाद यहां मौजूद CRPF जवानों से उनकी मुठभेड़ हुई। सूत्रों ने बताया कि पुलिस स्टेशन के नजदीक ही मणिपुर हिंसा में विस्थापित लोगों के लिए एक राहत शिविर है। राहत शिविर में रह रहे लोग कुकी उग्रवादियों के निशाने पर थे। यहां इससे पहले भी कई बार हमला हो चुका है। इसके बाद यहां CRPF की टीम तैनात की गई थी।

पाकिस्तानी डॉन शहजाद भट्टी की मिथुन चक्रवर्ती को धमकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुबई में बैठे पाकिस्तानी डॉन शहजाद भट्टी ने कोलकाता से ब्ब्ब्क नेता और एक्टर मिथुन चक्रवर्ती को धमकी दी है। मिथुन चक्रवर्ती के एक सभा में दिए बयान पर शहजाद ने कहा कि मिथुन माफी मांग लें, वरना इस बकवास के लिए पछताना पड़ सकता है। भट्टी, लॉरेंस का करीबी है। उसे पाकिस्तानी डॉन फारुख खोखर का राइट हैंड माना जाता है।

संपादकीय

छोटे कारोबारियों एवं मध्यम वर्ग की आवाज बने, राहुल गांधी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक लेख लिखा है, जो कई समाचार पत्रों में प्रकाशित हुआ है। महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक लाभ सभी वर्गों तक पहुंचे। जिस तरह से कॉरपोरेट जगत का एकाधिकार सभी क्षेत्रों में बढ़ता जा रहा है। उसके कारण स्थानीय रोजगार, छोटे-छोटे कारोबारियों तथा लघु उत्पादन के क्षेत्र में कार्यरत छोटी एवं मध्यम इकाइयों को वर्तमान समय में जिस चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। लेख में उन्होंने अपनी सोच प्रदर्शित की है। व्यापारिक क्षेत्र में बढ़ती असमानता की समस्या, छोटे व्यापारियों को मिल रही गंभीर चुनौतियों ने मध्यम वर्ग के अस्तित्व पर प्रश्नचिन्ह लगा दिया है। आर्थिक उदारीकरण के बाद से, बड़े कॉरपोरेट्स ने अपनी जड़ें भारत में गहरी कर ली हैं। जिसके कारण छोटे और मंझले व्यापारियों के लिए बाजार में टिके रहना मुश्किल होता जा रहा है। पिछले एक दशक में लाखों छोटे कारोबारियों ने अपना काम बंद कर दिया है। स्थानीय रोजगार बड़ी तेजी के साथ कम होता जा रहा है। पिछले दो दशक में गांव-गांव में ब्रांडेड पैक्ड फूड बिकने लगा है। अब पानी भी गांव-गांव में बिक रहा है। ऑनलाइन ब्रांडेड सामान अब गांव-गांव तक पहुंच रहा है। यह स्थिति छोटे व्यापारियों एवं स्थानीय उत्पादनकर्ताओं के हितों को बुरी तरह से प्रभावित कर रही है। उनके समक्ष प्रतिस्पर्धा में बने रहना मुश्किल हो गया है। दुग्ध उत्पादक, होटल व्यवसाय, छोटे-छोटे कारोबारी जो स्थानीय स्तर पर अपने उत्पाद तैयार करते थे, वह सब धीरे-धीरे बेरोजगार होते जा रहे हैं। बाजारबाद के चलते बड़े-बड़े कॉरपोरेट ने स्थानीय बाजारों में अपना कब्जा जमा लिया है। शहरों की बीमारियां अब गांव-गांव तक पहुंचने लगी हैं। कारोबार पर कॉर्पोरेट का एकाधिकार होता चला जा रहा है। इस बदलती हुई परिस्थितियों में लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने लेख के माध्यम से अर्थव्यवस्था और भारतीय जीवन शैली को अर्थव्यवस्था के आधार के साथ-साथ रोजगार और महंगाई इत्यादि से जोड़कर उन्होंने समग्र चिंतन रखा है। राहुल गांधी छोटे एवं मध्यम स्तर के कारोबारियों एवं उद्योगों के लिए एक समान अवसर की मांग कर रहे हैं। ताकि स्थानीय स्तर पर कमजोर और मध्यम वर्ग अपनी योग्यता और परिश्रम के बल पर आगे बढ़ सकें। वर्तमान में बड़े व्यवसायिक घराने और कॉरपोरेट्स को विशेष सुविधाएं, कर रियायतें और अन्य लाभ सरकार द्वारा दिए जा रहे हैं। इसके विपरीत, छोटे एवं मध्यम वर्ग के कारोबारियों को प्रशासनिक कठिनाइयों और कानून की जटिलताओं का सामना करना पड़ रहा है। उनके पास सीमित संसाधन होते हैं। यह असमानता उनके विकास और आर्थिक आधार के अवसरों को सीमित कर रही है। इसके अलावा, डिजिटल व्यापार और ई-कॉमर्स के बढ़ते प्रभाव ने भी छोटे व्यापारियों की कठिनाइयों को बढ़ा दिया है। बड़े ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स ग्राहकों को अत्याधिक रियायतें और सुविधाएं प्रदान कर रहे हैं। रियायत देकर वह पहिले सस्ते में सामान बेचते हैं। करोड़ों रुपए का घाटा उठाते हैं, जब मार्केट में एकाधिकार हो जाता है। उसके बाद कीमतें बढ़ाकर आम आदमी का शोषण करते हैं। बड़े कारपोरेट की इस चुनौती का सामना परंपरागत कारोबारियों को नुकसान के रूप में हो रहा है।

कहानी

मुझे चैन से मरने दो

मैं आज सुबह-सुबह अपने घर के छत पर टहल रह था,तभी देखा उसरी नदी में बाढ़ आ गई है। बरसात का दिन था,नदी के उस ओर कुछ विद्यार्थी विद्यालय जाना छोड़ स्नान का आनंद लेने के लिए आए थे।मुझे अपना विद्यार्थी जीवन याद आ गई थी। नदी स्नान का आनंद इसी तरह लिया करते थे। बच्चे स्नान कर रहे थे,आनंद ले रहे थे।तभी अचानक बच्चे बचाओ-बचाओ चिल्लाने लगे।मैं हड़बड़ा गया,मुझे लगा कोई स्नान करते हुए बह गया है।तुरन्त नदी की तरफ लपका।पत्नी चिल्लाई,अजी !कहाँ जा रहे हैं जी? मैं भागते हुए बोला, नदी में कोई बच्चा बह गया है, उसे बचाने जा रहा हूँ।अरे !आप डायबिटीज के मरीज हैं,अभी नाश्ता भी नहीं किए हैं और चले बच्चा बचाने, कुछ सुनते क्यों नहीं जी?अरी! भगवान,तुम हमेशा मुझे रोकती-टोकती रहती हो।अभी किसी की जान बचाने की बात है,मुझे जाने दो....इतना बोलते-बोलते मैं निकल गया।बाहर नदी किनारे भीड़ इक्कठी हो गई थी,सभी चिल्ला रहे थे पर नदी में कूद उस बच्चे को बचाने की कोशिश कोई नहीं कर रहा था।मैंने गमछा अपने सिर पर बाँधा और छपाक से नदी में कूद गया,बच्चे को बचाने के लिए।मैं तेजी से तैरने लगा और जल्द ही बच्चे के नज़दीक पहुँच गया।पहले अपने सिर पर बाँधे गमछे को उसे पकड़ने के लिए दिया,बोला, बेटा परेशान मत हो,मैं आ गया हूँ तुझे कुछ न होने दूँगा तुम देश के भविष्य हो,डरना मत।पर बच्चा हताश हो गया था बहुत पानी पी चुका था।मैं उसके नजदीक जा उसे अपने पीठ पर ले लिया और तैरते हुए किनारे की तरफ जाने लगा।बच्चा डरा हुआ था उसने जोर से मेरी गर्दन को पकड़ कर खुद को बचाने लगा।किनारा दूर होने की वजह से तथा अधिक तैरने की वजह से मैं बहुत थक चुका था।आगे रेलवे पुल के पास लोगों ने हम दोनों को निकाला।बच्चा बच गया था और मैं लाश बन चुका था। आँगन में मेरी लाश रखी गई।पत्नी रो-रोकर कह रही थी,अगर आप मेरी बात मान लिए होते तो आज मैं विधवा नहीं होती।हे!भगवान आपने मेरे साथ यह क्या किया? पत्नी की चीत्कार सुनकर मुझसे मरा नहीं जा रहा था।मैं कुछ देर के लिए उठा और कहा,अरी भाग्यवान कम-से-कम अब तो मुझे चैन से मरने दो।मैंने किसी की जान बचाकर खुद को मुक्त किया है, अब तुम भी मुझे मुक्त करो।और मैं पुनः मर गया।

महेश अमन
रंगकर्मी सह कवि
गिरिडीह झारखण्ड

राष्ट्रभक्ति की परिभाषा

सुबह सुबह हमें खयाल आया कि हमे भी राष्ट्रभक्त बनना चाहिए। आखिर हमारे भी देश के प्रति कुछ कर्तव्य है। कुछ हमे भी ऐसा करना चाहिए कि ये जिम्मेदारी हम भी निभा ले।तो सबसे पहले अगर यात्रा करनी हो तो गाड़ी में बैठना पड़ता है और सही गाड़ी में बैठना भी जरूरी है नही तो जाना था जापान, पहुंच गए चीन वाला गाना चरितार्थ हो जाएगा इसलिए सबसे पहले तो हमने सोचा कि राष्ट्रभक्ति होती क्या है और उसे कैसे पूरा किया जाय इसका ज्ञान अतिआवश्यक है। अब ये भी पता लगाना जरूरी था कि इसका ज्ञान कहां से लिया जाए। बहुत से विश्विद्यालय आजकल ऐसे है कि जहां तुरत फुरत एडमिशन मिल जाता है और बड़े बड़े विद्वान वहां ज्ञान की गंगा बहाते हुए आपके दिमाग का इतना विस्तार कर देते है कि आपका दिमाग, दिमाग ही नही रहता। जैसे व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी, फेसबुक राष्ट्रीय विश्विद्यालय तो है ही इसके अलावा चलते फिरते, उठते बैठते, चाय या पान के ठीये पर, मित्र मंडली जैसी कई राष्ट्रीय महत्व के स्थानों पर भी कई स्वयंभू प्रोफेसर आपको निःशुल्क व निस्वार्थ सेवा देते हुए मिल जायेंगे। तो जनाब हम भी कमर कस कर इस मुहिम में शामिल होने का मन बना चुके थे। इसलिए हमने बहुत से स्थानों से राष्ट्रभक्ति को समझना चालू किया। सबसे पहले तो हमे यही पता लगा कि पुराने जमाने में जिसे राष्ट्रभक्ति कहते थे वो सारी परिभाषाएं समय के अनुसार बदल गई। सबसे पहले हमने व्हाट्सएप का एक ग्रुप ज्वाइन किया। उसमे सब राष्ट्रवादी लोग शामिल थे। ये सब विदेशी व्हाट्सएप एप पर बने ग्रुप पर स्मार्टफोन व आईफोन से मेसेज दे रहे थे कि स्वदेशी बनिये और देश में बना सामान प्रयोग करिये। मुझे बड़ा अच्छा लगा मेने सोचा अब यहां इससे ज्यादा ज्ञान कैसे मिलेगा। तो राष्ट्रवादी बनने के लिए मेने व्हाट्सएप ग्रुप छोड़ दिया और स्मार्टफोन बेच दिया। घाटा तो हुआ पर मन में ये सन्तोष हुआ कि चलो राष्ट्रवादी तो बने। और हमने अब सोच लिया था कि जब कोई देशी व्हाट्सएप बनेगा तब ज्वाइन करूँगा। स्मार्टफोन बनते तो इंडिया में...सॉरी भारत में है पर सिर्फ असेम्बली होती है कम्पोनेंट तो बाहर ही बनते है।जैसे ही काम पर पहुंचा तो बॉस ने बुला लिया और गुस्से में कहा सुबह से व्हाट्सएप पर मैसेज दे रहा हूँ जवाब क्यों नही देते? और फिर फोन कर रहा हूँ फोन भी नही लग रहा? हमने सकुचाते हुए जवाब दिया.ज़ जी मेने आज से स्मार्टफोन और व्हाट्सएप चलाना छोड़ दिया है। मैं अब स्वदेशी राष्ट्रभक्त बन गया हूँ। बॉस ने मुस्कुराकर कहा आज एक और उपाधि आपके आगे लग गई है। आज से आप बेरोजगार है। हमे धक्का तो लगा पर सोचा राष्ट्रहित में लोगो ने अपनी जानें कुर्बान कर दी अब इतना तो सहना पड़ेगा। बाहर आकर हमने सोचा चलो चाय ही पी ली जाए। फिर घर चलते है। चाय के ठीये पर कुछ लोग बैठे बतिया रहे थे.. अरे भाई आज से मैने सोच लिया कि अब मैं फलाने समुदाय के किसी भी व्यक्ति से कोई काम नही करवाऊंगा ना ही उनसे कुछ खरीदूँगा। आखिर देश हमारा है।

मेने सोचा अच्छा ऐसे भी राष्ट्रभक्ति होती है आज से मैं भी यही करूँगा। जैसे ही चलने को हुआ देखा स्कूटर खराब हो गया बहुत कोशिश की पर मूँआ चालू ही नही हो रहा था। आसपास कोई गैरेज देखा तो पता चला ...अरे ये तो फलाने समुदाय वाले का है। बस राष्ट्रभक्ति शरीर में फैल गई। पैदल स्कूटर रगड़ते हुए लेकर चल दिया। सोचा और कोई मिल जाएगा पर आखिर पसीने से लथपथ होकर पैदल स्कूटर रगड़ते घर पहुंचा। श्रीमती ने देखा और पूछा। जब सब मालूम पड़ा तो सिर पीट लिया। बोली अच्छा चलो नहा लो। हमने टॉवेल उठाया और बाथरूम में घुस गए। पर वहां हिंदुस्तान लिवर का साबुन और पेस्ट मुंह चिढा रहा था। हमने कहा ऐसी की तैसी इससे नही नहाऊंगा। देशी साबुन प्रयोग करूँगा। बस फिर आव देखा न ताव लोकल कपड़े धोने के साबुन से नहा कर बाहर आ गया। इतने में श्रीमती ने कहा अरे देखो तो आज टीवी पर कितनी बड़ी न्यूज आ रही है। मेने टीवी खोला तो उस पर एक संत प्रवचन दे रहे थे की बॉलीवुड ने हमारी संस्कृति को धक्का लगाया है। अगर सच्चे राष्ट्रभक्त हो तो बॉलीवुड का बहिष्कार करें। ओह ! हमने सोचा ऐसे भी राष्ट्रभक्ति होती है। चलो आज से बॉलीवुड की फिल्में देखना बन्द। सोचकर टीवी बन्द कर दिया। श्रीमतीजी कमरे में आई तो देखा टीवी बन्द। बड़े आश्चर्य से उसने पूछा आज टीवी बन्द करके कैसे बैठे हो। यूँ तो रात दिन टीवी से चिपके रहते थे? हमने कहा आज से बॉलीवुड की फिल्में देखना बन्द। आखिर देशभक्ति भी तो कोई चीज होती है कि नही। श्रीमती ने व्यंग्य से मुस्कुराकर पूछा..अच्छा सिर्फ बॉलीवुड की या साउथ की फिल्में भी नही देखनी है?

अब हम सोच में पड़ गए। सन्त जी ने तो सिर्फ बॉलीवुड का ही बोला था। साउथ की फिल्मों का तो नाम ही नही लिया था। मतलब साउथ की तो देख ही सकते है।

अभी हम बात कर ही रहे थे कि तभी हमारी मित्र मंडली घर पर आ धमकी। सब को कहीं से खबर लग गई थी कि हमने नौकरी छोड़ दी तो कुशलक्षेम पूछने आ धमके। हमने उन्हें बताया कि भई राष्ट्रहित में नौकरी छोड़ दी। बस फिर क्या था आपस मे बहस छिड़ गई।अरे वो फलाने व्यक्ति ने आज से 400 साल पहले हम देशवासियों पर बहुत अत्याचार किये। आज उनके बारे में सब उजागर करना हमारा परम् कर्तव्य है। दूसरे मित्र ने उनकी बात काटते हुए कहा और 100 साल पहले फलाने ने देश के साथ गद्दारी की उसने अंग्रेजों के साथ मिलकर देश को धोखा दिया। तीसरे ने दूसरे का विरोध करते हुए कहा अरे उसने नही वो तो देश हित में जेल गए थे। वो तो फलाना था जिसने अंग्रेजो का साथ दिया। अब तो सब आपस में भिड़ गए। मुझे एक बार तो लगा साले अंग्रेज आज भी हमको लड़वा रहे है। पर फिर सोचा अगर राष्ट्रभक्त बनना है तो इनकी बुराई करना जरूरी है। बस हम भी उनके साथ भिड़ गए। बहस बढ़ते बढ़ते इस हालात पर पहुंच गई कि उसमें से 2 तो हमारे कट्टर दुश्मन जैसे बन गए और भुनभुनाते हुए वहां से चले गए। हमने सोचा कोई बात नही राष्ट्रभक्ति के लिए लोगो ने अपने परिवार की कुर्बानियां दे दी थी हम क्या दोस्ती भी कुर्बान नही कर सकते? श्रीमती जी सब माजरा देख रही थी। वो गुस्से में बिफर गई। ये क्या फालतू का दिमाग लगा रखा है आज दिन भर से। ये राष्ट्रभक्ति के चक्कर में सबको दुश्मन बना लोगे क्या?

हमने गर्व से सीना फुलाकर कहा अरे आज पता चला राष्ट्रभक्ति के लिए कितनी कुर्बानी देनी पड़ती है। पर मुझे अपने आप पर गर्व है। तभी हमारी नजर अखबार पर पड़ी। देखा दो देशों का युद्ध हो रहा है। हमने पढ़ा तो पता चला देश में कुछ लोग एक का तो कुछ लोग दूसरे देश का समर्थन कर रहे है। जो लोग एक देश विशेष का समर्थन कर रहे थे वो उसे राष्ट्रभक्ति बता रहे थे। हमने कहा अरे राष्ट्रभक्ति का एक और मौका मिला चलो हम भी बहती गंगा में हाथ धो ले। तभी हमारी नजर एक नेता के फोटो पर पड़ी जो जोरशोर से युद्ध में शामिल एक देश का समर्थन कर रहे थे। मुझे वो जाना पहचाना लगा। ध्यान से देखने पर मुझे याद आ गया। ये वही था जो कुछ दिन पहले दंगा करने के आरोप में गिरफ्तार हुआ था। आज ये किसी नेता के साथ गले मिलकर फलाने देश को युद्ध करने के लिए कोस रहा था। हमें आश्चर्य तो हुआ पर सोचा अहिंसा का कोई मतलब नही देश हित में दंगा भी जायज है। अभी सोच ही रहे थे कि श्रीमतीजी ने लिस्ट देकर कहा ये सामान ऑनलाइन ऑर्डर कर दो। तभी हमको ध्यान आया कि जिस व्हाट्सएप ग्रुप से मैं जुड़ा था उसमें लोग कहते थे ऑनलाइन समान नही मंगा कर हम देशभक्त बन सकते है तो हमने दृढ़ता से मैडम से कहा। नही मैं बाजार से ही सामान लाऊंगा।

श्रीमती ने तुरन्त हाथ में थैला पकड़ाते हुए कहा जाओ जहां से भी लाना हो ले आओ। हमने थैला लिया और बाजार की और निकल पड़े। रास्ते में पान की दुकान पर खड़े होकर सोचा चलो पान ही खा लिया जाय। दुकान पर 5-6 लोग खड़े सिगरेट फूंकते हुए बतिया रहे थे। एक ने दुकानदार को झाड़ते हुए कहा अबे ये चाइनीज लाइटर क्यों रखा है दुकान पर इंडियन रखा कर। बस वहीं उन सबमें बहस छिड़ गई। सबने एक मत में कहा अरे हम देश भक्त है चाइना का समान नही खरीदेंगे। हमारा भी सीना फूल गया। अरे वाह इस तरह भी हम देशभक्त बन सकते है।

बस वहां से निकलकर अपना समान लेने एक दुकान पर पहुंच गए। दुकानदार ने जो समान दिखाया उसमे आधे से ज्यादा चाइना मेड था। हमने दुकानदार से गुस्से में पूछा ये क्या तुम में जरा सी भी देशभक्ति नही है? चाइना का माल क्यों रखते हो? दुकानदार बोला क्या करे साहब। इंडियन मेड बहुत महंगा है लोग लेते ही नही है। अब हम भी क्या करे। चाइना के माल में वेरायटी, कलर, डिज़ाइन के अलावा सस्ता मिल जाता है। सब यही लेते है तो हमे यही रखना पड़ता है। तभी पान की दुकान पर खड़े लोग में से एक आदमी वहां पहुंचकर दुकानदार से पेमेंट मांगने लगा. दुकानदार ने उसे पैसे दिए तो मैने पूछा ये आपका सप्लायर है क्या? दुकानदार ने कहा हां भैया ये चाइना के माल का डीलर है। हम भौचक्के रह गए। अभी तो ये वहां खड़ा खड़ा ज्ञान पेल रहा था और खुद ही वही कर रहा है। हमने पूछा क्यों भाई वहां पान की दुकान पर तो तुम चाइना का माल का विरोध कर रहे थे। वो हंसकर बोला भाई। धंधा और सिद्धांत एक साथ नही चलते। अब चाइना महीने में एक बार जाता हूँ। अपने हिसाब से खरीददारी करता हूँ और यहां लाकर बेचकर अच्छा मुनाफा मिल जाता है। लोकल माल के लिए बहुत झन्झट है। महंगा भी है और उतना आकर्षक नही होने से लोग कम खरीदते है। और फिर यहां बनाने में पचासों सरकारी लफड़े है इसलिए अपन तो बिना मगजमारी का काम करते है। आएँ। अब हम सोच में पड़ गए। ऐसा भी होता है। अब धीरे धीरे हमारे ज्ञान चक्षु खुलने लगे। सोचते सोचते घर आ गए। आते ही श्रीमती ने कहा..आपको पापा बुला रहे थे। हम फटाफट सामान रखकर पिताश्री के पास पहुंचे। उन्होंने हमें देखकर कहा। अरे क्या बात है? बहु बता रही थी कि कुछ राष्ट्रभक्ति का मसला है। हमने पिताश्री को पूरी बात बताई तो वो जोर से हंस दिए। बोले बेटा हमे अपने विवेक से काम करना चाहिए। आजकल सोशल मीडिया पर लोग बिना जाने बुझे, तथ्यों को समझे बिना कुछ भी बकवास करते रहते है। एक बात एक सिरे से दूसरे सिरे तक जाते जाते कुछ की कुछ बन जाती है और हम भ्रम में ही रहते है कि सच क्या है पर सच कहीं नही होता। हमने कहा पापा पर हम तो सच्चे देशभक्त बनना चाहते है तो क्या करे। क्या सेना में भर्ती हो जाये? पापा ने कहा अरे देशभक्त होना तो गर्व की बात है। हर व्यक्ति को अपने राष्ट्र से प्रेम होना चाहिए। पर सच्ची देशभक्ति सिर्फ सेना में भर्ती होने से नही होती। क्या सारा देश सेना में भर्ती हो सकता है? नही ना। और क्या देश को चलाने के लिए सेना ही जरूरी है। असल में देश में रहने वाला हर व्यक्ति चाहे डॉक्टर हो, व्यापारी हो, इंजीनियर हो, वकील, जज कोई भी हो अगर अपना कार्य ईमानदारी से करते हो, किसी के साथ गलत नही करते हो, लोगो को ठगते नही हो, अपने टैक्स दायित्व समय पर पूरा करने के साथ साथ अपने सामाजिक दायित्व को सही तरीके से निभाते हो तो ये सब एक अच्छे और सच्चे राष्ट्र का निर्माण करते है और इसलिए ये भी देशभक्ति का ही एक स्वरूप है। हमने आगे पूछा ..पापा लोग कहते है बॉलीवुड का बहिष्कार करो क्या ये भी गलत है? पापा को हंसी आ गई। बोले अरे बेटा बॉलीवुड आज करोड़ो लोगो को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार दे रहा है। ये भी एक उद्योग है। हर उद्योग में अच्छे और बुरे लोग होते है। क्या आजकल मिलावटी सामान की बाजार में भरमार नही है? यहां तक कि दूध, मावा, पनीर, चावल, गेंहू, गन्दे नाले में उगी सब्जियां सब नकली और अशुद्ध आ रहा है तो क्या तुम उस उद्योग का बहिष्कार करते हो? नही ना? जबकि ये तो इंसानी जिंदगी से खेल रहे है। अब दूसरी बात बॉलीवुड खुद कुछ नही है ये जनता ही है जो ये डिसाइड करती है कि क्या बनेगा। जो जनता को पसंद हो वही बनता है। जो जनता को नापसंद हो तो वो कोई क्यों बनाएगा? क्यों बेकार नुकसान उठाएगा? आखिर वो भी धंधा लेकर बैठा है तो फिर दोष किसका? किसी भी फ़िल्म में बुराई की जीत नही होती आखिर में अच्छाई की ही जीत बताई जाती है। ये तो अपनी अपनी समझ है कि किसी बात को हम किस तरह से लेते है। आम जनता में भी ऐसे लोग बैठे है जो दूसरों का पैसा खा जाते है, लोगो को धोखा देते है, लूटते है, ठगते है, रिश्वतखोरी करते है, प्रताड़ित करते है, दंगे करते

है तो क्या ये सब इनको बॉलीवुड प्रेरणा देता है? पापा ने अपनी बात जारी रखते हुए कहा ...दूसरी बात आजकल सोशल मीडिया पर अच्छे अच्छे घर की महिलाएं अर्धनग्न होकर, या आपत्तिजनक अश्लील नृत्य कर रही है तो उनके घर वाले उनका विरोध न करके बॉलीवुड को कोसेंगे तो ये तो दोहरा मापदंड हुआ ना। अब हमारी समझ में कुछ कुछ आने लगा। फिर हमने जिज्ञासावश पूछा पापा लोग क्यों कहते है कि विदेशी चीजों का बहिष्कार करों। देशभक्त बनों। पापा ने समझाया बेटा हर देश की अपनी किसी चीज की विशेषता होती है । हम कुछ खरीदते है तो विश्व के कई देशों में कुछ बेचते भी है और विभिन्न देशों की सरकारों का आपस में अनुबन्ध होता है उस अनुबन्ध के अनुसार हम अगर उससे बाहर हो जाये तो हमारा भी सामान विश्व में कोई नही खरीदेगा। दूसरी बात आजकल वैश्विक बाजार व्यवस्था है। उपभोक्ता का हक है कि उसे अच्छा और सस्ता माल उसकी पसन्द और सहूलियत के हिसाब से मिले। देश के उद्योगपति और सरकार की ये जिम्मेदारी होती है कि वो उस तरह का माहौल पैदा करे कि हमारा माल हमारे देश में तो बिके ही विदेशों में भी उसे पसंद किया जाय। और ये स्वस्थ्य प्रतियोगिता होनी ही चाहिए तभी नैतिक मापदण्ड उपभोक्ता के लिए स्थापित होंगे।

हमने आगे पूछा....पर पापा कुछ लोग कहते है कि ऑनलाइन मत मंगाओ। लोकल लोगो से लो। पापा हंसकर बोले बेटा ये भी फालतू का भरम फैलाया जाता है। अरे यही लोकल दुकानदार ही तो ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर बेच रहे है। ये कोई एलियन थोड़ी है। ये भी भारत के ही नागरिक है। बस ये तकनालोजी का प्रयोग कर रहे है। अब ये तो ऐसा हो गया कि मुम्बई वाला दिल्ली वाले से न खरीदे। दिल्ली वाला मुम्बई वाले से न खरीदे क्योंकि वो ऑनलाइन बेच रहे है। राष्ट्र तो एक ही है ना। फिर ये सोच क्यों? ये तो टेक्नोलॉजी है कि आजकल ऑनलाइन सामान मिलने लगा। सुविधा, कीमत आदि कई फायदे है तो वहां से लेने में दिक्कत क्या है? ये तो सिर्फ एक बाजार है जहां कोई भी अपनी दुकान लगाकर सामान बेच सकता है। मैं भी, तुम भी। अब किसी के पास दुकान लेकर सामान भरकर लाखों रुपया निवेश करने की ताकत न हो तो उसे तो इससे अच्छा तरीका मिल ही नही सकता तो ऐसे लोगो का बहिष्कार करना मतलब हम अपने ही देश के साधनहीन लोगो का विरोध कर रहे है। अब हमारी समझ में सब आने लगा। कुछ संशय जो मन मे थे हमने सोचा उसे भी दूर कर लिया जाय इसलिए पूछा पापा लोग कहते है हमें अपने संवत को ही मानना चाहिए। विदेशी नववर्ष का बहिष्कार करना चाहिए। पिताजी ने समझाया भई किसी काल मे हर धर्म के लोगो ने वर्ष प्रारम्भ करने का अपना एक दिन निर्धारित किया था और वो उसे धार्मिक महत्व से जोड़ते है। और अच्छी बात है कि हम अपने धर्म के अनुसार उसे मानते है पर चूंकि हर धर्म में नववर्ष अलग अलग होते थे और एक कॉमन वैश्विक व्यवस्था जरूरी थी इसलिए पूरे विश्व में एक जनवरी से 31 दिसम्बर तक के वर्ष को आधिकारिक रूप से मान लिया गया। अब इसमें सुविधा और सहूलियत है। स्कूल, कालेज, सरकारी या निजी दफ्तर आदि हर जगह उसी को मान्यता है तो इसका ये मतलब नही की हम हमारे संवत से कोई परहेज कर रहे है। ये सिर्फ एक ऑफिसियल व्यवस्था है। हमने स्वीकृति में सिर हिलाकर पूछा इतिहास में भी कुछ लोगो ने गलत किया उसका विरोध करना भी तो राष्ट्रहित में है क्या वैसा करना चाहिए। पापा ने कहा बेटा ये बता अगर तुझे मालूम पड़ भी जाये कि कौन अच्छा था और कौन बुरा तो उससे क्या हो जाएगा? हमने कहा ..पापा इस बात की जानकारी तो होना चाहिए ना। पापा ने समझाते हुए कहा..बेटा यही तो मसला है कि जानकारी हो तो वो सही भी तो हो। अब आजकल इतिहास को हर व्यक्ति ने अपनी सहूलियत और इच्छा के हिसाब से तोड़ मरोड़कर रख दिया है। क्या सच है और कितना सच है ये कैसे मालूम करोगे? और दूसरी बात उस समय की परिस्थिति क्या थी, किस समय किसने क्या और क्यों कहा, क्या करा, आज हम 200-500 साल बाद उस पर कब तक बहस करके लकीर पीटते रहेंगे? इसीलिए समझदार कह गए है बीती ताहि बिसार दे आगे की सुध ले आज हम वर्तमान में सही या गलत क्या हो रहा है उसके बजाय हम इतिहास के पीछे पड़े है तो क्या सब कुछ मालूम हो जाने पर उसे बदल देंगे? हर पीढ़ी नई सोच के साथ आगे बढ़ती है और जिस इतिहास पर लड़ाई चल रही है उसके बाद तो कई पीढियां निकल गई। अब क्या फायदा उस बहस से। अब तो वर्तमान का आकलन और भविष्य की व्यवस्था में ही हमारी भलाई है। आजकल राजनैतिक हित साधने के लिए जनता को कभी किसी देश के, नेता के, किसी जाति, धर्म, इतिहास के पीछे लगा दिया जाता है ताकि वो उसी में उलझकर अपने हित को भुला दे। राष्ट्रभक्ति की परिभाषा और मायने भी सबने अपनी सहूलियत के हिसाब से गढ़ लिए है। इसलिए स्वंय के विवेक से ही समझो कि सही क्या है और गलत क्या। किसी के कहने भर से अपनी सोच मत बदलों। देशभक्त बनों और अपनी समझ से अपने देश के लिए समर्पित रहो ना कि किसी के कहने से। अब तक हमारी समझ मे आ चुका था कि असली देशभक्ति क्या होती है। हमने पापा को प्रणाम किया और उचित मार्गदर्शन के लिए उनका आभार माना। टेलीविजन चालू किया तो उस पर एक पुराना गाना आ रहा रहा था... छोड़ो कल की बातें, कल की बात पुरानी, नए दौर में लिखेंगे मिलकर नई कहानी, हम हिंदुस्तानी....जयहिंद।

डॉ. संजय बिन्दल

कहानी

रिसते फफोले

मैंने अपनी मर्जी से अपना जीवनसाथी क्या चुना कि मेरे घरवालों ने मुझे धक्के मार मार कर घर से निकाल दिया ।और अपने दरवाजे मेरे लिए सदा के लिए बंद कर दिए । हम दोनों पढ़े लिखे थे पेट की आग लिए सुदूर शहर की ओर चल दिए । वहां जाकर हमने खूब मेहनत की तो दौलत से हमारी झोलियां भरने लगीं ।

समय का घोड़ा पंख लगाकर दौड़ता रहा । हमारे घर हम दोनों के प्रेम की निशानी सुमन आ गया था ।

समय की उड़ान का अगला पड़ाव आया तो हमने सुमन की एडमिशन करवा दी ।वह के जी में पढ़ने शहर के नामी स्कूल में जाने लगा । अच्छे-अच्छे घरों के बच्चे उसके सहपाठी थे।

आज सुमन ने मुझसे ऐसा प्रश्न पूछ लिया जिससे मेरे हृदय के फफोले रिस उठे। स्कूल से आते ही आज वह पूछने लगा , मम्मी नानी क्या होती है ? मेरे फ्रेंड्स सौरभ और गौरव बोल रहे थे कि हम नानी के घर जाएंगे । पिछले महीने भी हम नानी के घर गए थे ।

वहां हम खूब मजे करते हैं। नानी हमें कहानियां सुनाती है बढ़िया बढ़िया खाना खिलाती है ।

हमें बाजार से खिलौने लाकर देती है ।वह आगे बोला -हम नानी के घर क्यों नहीं जाते ? वह कहां रहती है? हम नानी के घर कब जाएंगे? मैंने बेटे को झूठी तसल्ली देते हुए कहा- बेटा जैसे मैं तुम्हारी मम्मी हूं न, वैसे ही मेरी भी मम्मी है ,वह तुम्हारी नानी लगती है ।

उसका घर बहुत दूर है, बस छुट्टियां पड़ने दो फिर हम भी तुम्हारी नानी के घर जाएंगे और खूब मजे करेंगे । सुमन मान गया और बाहर आंगन में खेलने लग पड़ा।

मैं अतीत की स्मृतियों में खो गई और मायके के बंद दरवाजे पर जाकर खड़ी हो गई ।मेरे रिसते फफोलों की वेदना बढ़ गई और आंखों से टप टप आंसू टपक पड़े ।

अशोक दर्द डलहौजी चंबा हिमाचल प्रदेश

कल की ही बात थी

लेख

लोग महिलाओं के अधिकारों की खूब बात कर रहे थे बड़े-बड़े सेमिनार ,बड़े-बड़े आयोजन, बड़ी-बड़ी रैलियाँ सम्मान समारोह आयोजित किये गए।

कल ऐसा लग रहा था जैसे वास्तव में स्त्रियाँ अब देवी हो जाएंगी अब बदलाव जरूर आएगा ,धरती स्वर्ग बन जाएगी ,कवियों का साहित्यिक प्रयास रंग लाएगा।

चारों तरफ खुशी का माहौल था,महिलाएं अबीर-गुलाल उड़ा रही थी ,संग-संग नृत्य कर रहीं थीं खुशी का वातावरण था।

लोग अपने भाषणों में महिला हिंसा,बाल विवाह, कन्या भ्रूण हत्या,दहेज हत्या नहीं करने की कसमें खा रहे थे।

ऐसा लग रहा था जैसे सभी विवेकी हो गए हैं महिलाओं का शोषण अब समाप्त हो जाएगा हर्षित समाज हो जाएगा धरती पर स्वर्ग उतर जाएगा।

नेता,सामाजिक कार्यकर्ता,कवि- कलाकार, पुलिस-अफसर और सरकार सभी एकजुट होकर कर रहे थे महिला सम्मान-अधिकार की बात। मगर आज जब अखबार खोला तो सबसे पहले जिस खबर पर पड़ी नजर वो थी,नाबालिक के साथ गैंग रेप माँ के सिर पर कुल्हाड़ी से पुत्र ने किया वार मॉर्निंग वॉक करते समय झाड़ी में मिली नवजात(कन्या)की शवमन्दिर प्रवेश करने पर महिला के साथ रेप दहेज की बलि चढ़ी नई दुल्हन।

प्रेमी ने प्रेमिका के चेहरे पर फेंका तेजाब तंग आकर एक महिला ने एक साल की दुदमुंही को ले कुएं में कूदी,दोनों की मौत पति पत्नी का सिर काटा,ले आया थाने।

कल की ही बात है अखबार के समाचार विश्व महिला दिवस को मुँह चिढ़ा रहा था महिला सम्मान की बातें चोंचली लग रही थी सभी दावों पर किरासन तेल गिर गया था कथाकथित पुरुष वर्ग उसमें माचिस लगा रहे थे आकाश स्तब्ध था बुद्धिजीवी शर्म से पानी-पानी थे।

कवि पुनः कविता लिख अपना विरोध प्रकट कर रहे थे मंच पर कलाकारों की आँखें नम थी नेता विरोध में सड़क जाम कर रहे थे पुलिस खानापूर्ति कर रही थी महिला संगठनों को मुद्दा मिल गया था

कल की ही जो बात थी वह कल जैसी हो गयी थी आत्मा महिला की खुद पर व्यंग्य कर रही थी।

महेशअमन
गिरिडीह,झारखण्ड

कहानी

मिडिल

उसे रेलगाड़ी के रिजर्व कंपार्टमेंट में मिडिल बर्थ अलाट हुई।लंबी यात्रा थी।वह अन्य यात्रियों के साथ लोअर बर्थ पर बैठा था।दिन के समय जब उसका मन लेट कर आराम करने को हुआ तो अन्य यात्रियों ने मिडिल बर्थ जो ऊपर उठाने में आनाकानी की। ऐसा करने से उन्हें बैठने में दिक्कत आनी थी।फिर दूसरे दिन सुबह दिन चढ़े जब उसने लोअर बर्थ पर बैठना चाहा तो वे उठने का नाम नहीं ले रहे थे। ऊपर वाले की छत ऊंची होने के कारण वह यात्री आराम से बैठा था। वह मिडिल बर्थ की परेशानी से तंग आ गया।तभी टी टी टिकट चेक करने आया।उसने अपना टिकट दिखाते हुए अपनी परेशानी को भी जोड़ दिया, आप यह मिडिल वाली बर्थ हटा क्यों नहीं देते? क्यों भाई? बैठने और कितनी ने कितनी परेशानी होती है मिडिल बर्थ वाले को? देखो भाई !मिडिल बर्थ हो या मिडिल क्लास, सबसे ज्यादा परेशान मिडिल वाला ही होता है।अपर और लोअर वाले हमेशा मजे में रहते हैं।

9डॉ धर्मपाल साहिल
होशियारपुर पंजाब

बाबुल की गली

वधु के लाल जोड़े में सलोनी क्या खूब लग रही थी, लक्ष्मीश्वरूपा, कंकू के पग लिए सलोनी तुलसी का बिरवा लिए कदम बढ़ा रही थी तभी बुआ जी कह उठी, बहुरिया इतनी दूर, परदेस से नन्हा सा पौधा कुम्हला गया होगा। बाहर बगीचों में कुछ दिन रख देना ताकि अन्य पौधों के बीच वह यहां की आबोहवा, प्रकृति, परिवेश तथा अपनेपन से एकाकार हो सके इससे पौधे के फलने फूलने में दिक्कत न आए। घूंघट की ओट से मुस्कुराते हुए सलोनी ने मधुर स्वर में हामी भरते हुए कहाज्बस यही अपेक्षा मेरी भी आप सब से है। मेरे लिए भी नई जगह,नया परिवेश है, कुछ समय लगेगा समझने में, मुझको भी बाबुल की गलियां इतनी आसानी से कहा छूटती है, ज्कहते- कहते सलोनी सुबकने लगी।

विजय सिंह चौहान

8 महीने में 40 शुभ मुहूर्त ; अक्षय तृतीया पर सिर्फ दोपहर में हो सकेंगे विवाह

देव उठनी ग्यारस पर घर-घर इस बार देव उठनी एकादशी पर शादी के मुहूर्त नहीं

इंदौर(ई)। पौराणिक मान्यता है कि चार महीने की योग निद्रा के बाद भगवान विष्णु देव उठनी एकादशी के दिन जागते हैं, इसलिए इसे देव प्रबोधिनी एकादशी भी कहते हैं। इस दिन से ही मांगलिक कार्य शुरू होते हैं। इस साल 12 नवंबर को देव उठनी एकादशी के त्योहार से शादियों का सीजन शुरू होगा। इस बार खास यह है कि 8 महीने में 40 विशेष शुभ मुहूर्त हैं लेकिन देव उठनी एकादशी और 2 फरवरी को बसंत पंचमी पर्व पर शादी का एक भी मुहूर्त नहीं है।

ज्योतिषाचार्य पंडित अमर डिब्बेवाला ने बताया कि देव उठनी एकादशी, अक्षय तृतीया और बसंत पंचमी के दिन को लोग अबूझ मुहूर्त मानकर चलते हैं। इन तीनों दिन बिना मुहूर्त के ही हजारों शादियां होती हैं। इस बार 12 नवंबर को देव उठनी एकादशी और 2 फरवरी बसंत पंचमी को शादी का कोई मुहूर्त नहीं बन रहा है। इस बार शादियां सिर्फ 40 मुहूर्त में ही हो सकेंगी।

16 नवंबर से 8 जून तक शुभ मुहूर्त

इस बार शादियां 16 नवंबर 2024 से शुरू होकर 8 जून 2025 तक शुभ मुहूर्त में हो सकेंगी। इसके बाद 12 जून से 8 जुलाई तक गुरु का तारा अस्त होने के चलते शादी के शुभ मुहूर्त नहीं हैं। इसके बाद अगले चार माह चातुर्मास में देवशयनी एकादशी लगने के चलते 6 जुलाई 2025 को शादियां बंद हो जाएंगी, फिर 2 नवंबर 2025 से शुरू होंगी। मुहूर्त चिंतामणि और धार्मिक ग्रंथों की मान्यता के अनुसार, यज्ञोपवीत के मुहूर्त सूर्य के उत्तरायण में विशेष रूप से माने जाते हैं। फिलहाल, सूर्य दक्षिणायन चल रहे हैं, इस दृष्टि से नवंबर-दिसंबर में यज्ञोपवीत और मुंडन के मुहूर्त नहीं हैं। 15 जनवरी के बाद यज्ञोपवीत और मुंडन के विशिष्ट मुहूर्त निकल सकेंगे।

12 जून से 8 जुलाई तक गुरु का तारा अस्त रहेगा

अक्षय तृतीया वाले दिन सिर्फ दोपहर में शादी का मुहूर्त है। इस बार 12 जून से लेकर 8 जुलाई तक गुरु का तारा अस्त रहेगा। इस अस्त काल में विवाह नहीं होंगे। ग्रहों की गणना के आधार पर बात करें तो देव उठनी एकादशी से लेकर देव शयनी एकादशी तक चालीस विशेष मुहूर्त हैं। ज्योतिषाचार्य पं. अमर डिब्बेवाला कहते हैं कि इस दृष्टि से इस बार 12 नवंबर को देव उठनी एकादशी पर तुलसी सालिगराम का विवाह ही संभावित होगा, क्योंकि धर्मशास्त्र मान्यता भी यह कहती है कि जब तुलसी-सालिगराम का विवाह होता है तो अन्य विवाह नहीं करें। जो लोग शास्त्रीय अभिमत को नहीं समझते हैं, वे अबूझ मुहूर्त की श्रेणी को मानकर बसंत पंचमी पर विवाह कर लेते हैं। या तो लग्न प्रॉपर होता नहीं है या रेखाएं या कभी भद्रा के संयोग बनते हैं...कभी कडक़, चोर या मृत्यु पंचक होता है तो ऐसी स्थिति में लग्न की तारीख को त्याग देना चाहिए।

मड़ई भरेगी आज

देवउठनी ग्यारस का पर्व मंगलवार को श्रद्धा व आस्था के साथ मनाया जाएगा। घर-घर में गन्ने की मड़ई बनाकर तुलसी और शालिगराम का विवाह उत्सव मनाया जाएगा। देवउठनी ग्यारस के साथ ही मांगलिक-कार्यों की शुरूआत हो जाएगी। देवउठनी ग्यारस के दूसरे दिन से ही लगुन, फलदान, विवाह-समारोह, गृह-प्रवेश आदि शुभ कार्यों की शुरूआत हो जाएगी। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार चातुर्मास प्रारंभ होते ही सभी देवी-देवता विश्राम करने चले जाते हैं और चातुर्मास समाप्त होने पर कार्तिक-पक्ष की ग्यारस तिथि को देव विश्राम कर उठते हैं। इसलिए इसे देवउठनी ग्यारस भी कहा जाता है। देवउठनी ग्यारस पर शालिगराम और तुलसी विवाह होने के बाद ही मांगलिक-कार्य प्रारंभ होते हैं।

आज मंगलवार को देवउठनी ग्यारस का पर्व मनाने की तैयारियां पूरी हो गई हैं। बाजारों में गन्ने की दुकान सज गई थीं और नये फल-फूल की भरपूर आवक बाजार में हुई। ग्यारस के दिन गन्ने की मड़ई लगाकर उसमें ठण्ड के सीजन की नई फसलें मसलन चने की भाजी, सिंघाड़ा, सीताफल, गन्ना-गड़ेरी, मटर, आंवला, शकला आदि धन-धान्य की पूजा की जाती है और इसी मड़ई में माता तुलसी और भगवान शालिगराम का विवाह भी रचाया जाता है। मड़ई की परिक्रमा कर श्रद्धालु पुण्य लाभ अर्जित करेंगे।

जिनशासन का अहिंसा का मंत्र यदि पूरे विश्व में प्रभावी हो जाए तो कोई समस्या ही नहीं रहेगी

इंदौर। जैन समाज का अहिंसा का संदेश आज यदि पूरे विश्व में प्रभावी हो जाए तो अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पैदा हुई अनेक समस्याओं का भी समाधान हो जाएगा और पूरे विश्व में अहिंसा के माध्यम से शांति की स्थापना हो सकती है। अहिंसा जिनशासन का एक ऐसा मंत्र है, जिसने समूचे विश्व में अनेक अवसरों पर यह साबित किया है कि जैन समाज इस तरह के सिद्ध चक्र मंडल विधान और विश्व शांति महायज्ञ जैसे अनुष्ठानों से अपनी विशिष्ट पहचान बना रहा है। ये प्रेरक विचार हैं आचार्यश्री विप्रणत सागर म.सा. के, जो उन्होंने एयरपोर्ट रोड स्थित अंजनि नगर स्थित चंद्रप्रभु मांगलिक भवन पर हेमंत-अनिता गदिया परिवार द्वारा आयोजित सिद्ध चक्र मंडल विधान और विश्व शांति महायज्ञ के दिव्य अनुष्ठान में सानिध्य प्रदान करते हुए व्यक्त किए। महोत्सव के चौथे दिन आज सिद्ध भगवान को 64 अर्घ्य समर्पित हुए। इसके पूर्व प्रातःकाल में 6.30 बजे श्रीजी की अभिषेक शांतिधारा विधान प्रमुख सौधर्म इंद्र अनंत गदिया के साथ कुबेर इंद्र अक्षय काला ने विश्व शांति हेतु पूज्य आचार्यश्री के मुखारविंद से संपन्न हुई। गदिया परिवार के सदस्यों ने आचार्यश्री का पाद प्रक्षालन कर मंगल आशीर्वाद प्राप्त किए। इस अवसर पर अतिथि के रूप में उज्जैन के विधायक श्री अनिल जैन कालूखेड़ा, सामाजिक संसद के सुशील पांडया, कोषाध्यक्ष राजेन्द्र सोनी एवं परदेशीपुरा जैन समाज के अध्यक्ष अरविंद जैन भी शामिल हुए और उन्होंने आचार्यश्री के पाद प्रक्षालन कर उनसे शुभाशीष प्राप्त किए। विधायक अनिल जैन ने इस अवसर पर गुरू की महिमा का वर्णन करते हुए आचार्यश्री को उज्जैन आने के लिए श्रीफल समर्पित किया। आचार्यश्री ने सभी अतिथियों एवं अंजनि नगर जैन समाज के पदाधिकारियों तथा विधान में बैठे हुए सभी इंद्र-इंद्राणियों को बहुत-बहुत मंगल आशीर्वाद प्रदान किए। अतिथियों का स्वागत ऋषभ पाटनी, अक्षय काला, देवेन्द्र सोगानी, कमल गदिया, चंद्रेश गदिया, अनिल बड़जात्या आदि ने किया। अंत में श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन पंचायती मंदिर अंजनि नगर के अध्यक्ष देवेन्द्र सोगानी ने आभार व्यक्त किया।

लादूनाथ आश्रम - चातुर्मास समापन के उपलक्ष्य में अन्नकूट महोत्सव 13-14 को

इंदौर। माली मोहल्ला, एमओजी लाइंस स्थित तपोनिष्ठ संत लादूनाथ महाराज गुरु आश्रम पर 25वें चातुर्मास समापन के उपलक्ष्य में अन्नकूट महोत्सव का आयोजन बुधवार, 13 नवम्बर को सुबह 7 बजे से महामृत्यंज अनुष्ठान की पूर्णाहुति एवं प्रातः 9 बजे से अखंड रामायण पाठ के शुभारंभ के साथ होगा। महंत रामकिशन महाराज के सानिध्य में इस अवसर पर अखंड रामायण पाठ की पूर्णाहुति गुरुवार, 14 नवम्बर को सुबह 9 बजे होगी। माली मोहल्ला स्थित संत श्री लादूनाथ महाराज गुरू आश्रम न्यास समिति की मेजबानी में महाप्रचंड हनुमान मंदिर पर गुरूवार को बैकुंठ चतुर्दशी के अवसर पर सांय 5 बजे से अन्नकूट महोत्सव में महाप्रसादी का क्रम शुरू होगा, जो देर रात तक जारी रहेगा। आश्रम के पुजारी योगेश सुईवाल एवं सचिन सुईवाल द्वारा मनोहारी श्रृंगार भी किया जाएगा। भक्त मंडल के विजय अग्रवाल, रोहित सियोटा, संजय जैन ने बताया कि आश्रम पर चातुर्मास समापन का यह 25वां अनुष्ठान अन्नकूट महोत्सव के रूप में मनाया जा रहा है, जिसमें मालवा, निमाड़ और मेवाड़ अंचल के प्रमुख संत, महंत भी शामिल होंगे।

पाप को जिस स्तर पर रोक सकते हो उसे वहीं रोको

इन्दौर। पाप को जिस स्तर पर रोक सकते हो उसे वही रोको न तो खुद पाप को करो और न ही किसी के द्वारा किए जा रहे पाप की अनुमोदना या समर्थन करो। उपरोक्त उदगार मुनिश्री प्रमाण सागर महाराज ने विजय नगर बिजनेस पार्क स्थित आईडीए ग्राउंड पर आयोजित आठ दिवसीय 108 श्री सिद्ध चक्र महामंडल विधान एवं रथावर्तन महोत्सव के पांचवे दिन सभी श्रावक-श्राविकाओं को प्रवचनों की अमृत वर्षा करते हुए व्यक्त किए। मुनिश्री ने अपने प्रवचन में आगे कहा कि हमारे अंदर प्रतिक्षण क्रोध, मान, माया और लोभ की प्रवृत्तियां चलती रहती है। उन प्रवृत्तियों को मन वचन और शरीर गत पापों से मुक्त करने के लिए ही मंत्रोच्चारण के माध्यम से मुक्त किया जाता है। उन्होंने कहा कि सबसे पहले क्रोध आता है क्रोध के साथ ही मायाचारी अर्थात मन में छिपाव के भाव आते है। जैसे किसी को पीटने का भाव मन में आया तो हिंसा के भाव उत्पन्न हुए। यदि उसे क्रियान्वयन नहीं किया तो आप उससे होने वाली वचन और शरीर गत हिंसा से बच जाएंगे। मुनिश्री ने समरंभ, समारंभ और आरंभ की व्याख्या करते हुए कहा कि क्रोध, मान, माया और लोभ की प्रवृत्ति को समाप्त करने के लिए ही मंत्रोच्चारण के साथ आज 128 अर्घ आप लोगों ने समर्पित किए है। कोई भी कार्य की शुरुआत से पहले वह बाहर से अच्छा जरूर दिखता है लेकिन यह जरुरी नहीं कि वह भीतर से भी अच्छा हो। जैसे एक बच्चा अपने जीवन की शुरुआत भगवान की जय से करता है बाहर से तो यह अच्छा दिख रहा है, लेकिन जरूरी नहीं कि उसके भीतर से भी जय निकले। उन्होंने कहा कि कोई भी पाप या अपराध की पूरी तैयारी पहले मन में होती है फिर वचन तथा शरीर गत हो जाती है। उन्होंने कहा कि बाहर से तो हम सभी को क्षमा कर देते है लेकिन फिर भी कषाय हमारे अंदर कुंडली मारकर बैठी रहती है। उन कषायों को मंद करने के लिए ही यह पूजन या विधान किए जाते है। हमारे अंदर 108 कर्म प्रकृतिया होती है जो कि हमारे अच्छे-बुरे कर्म का फल प्रदान करते है। मुनिश्री ने कहा कि जैन परंपरा में पूजन पीले या सफेद वस्त्रों में करने की ही रही है। आज कल हम देख रहे है कि नए-नए डिजाइन और रंग बिरंगे वस्त्रों में पूजा विधान होने लगी है। यह हमारी पूर्व परंपरा का उलंघन है। इस गलती को रोकना हमारी जिम्मेदारी है।

विशाल सिद्धचक्र मंडल विधान एवं पिच्छी परिवर्तन समारोह पिडावा में आचार्य आर्जव सागरजी महाराज ससंघ का

इंदौर। दिगम्बर जैन सामाजिक संसद के भानुकुमार जैन ने बताया कि धर्मप्रभावक अध्यात्मयोगी आचार्य आर्जव सागरजी महाराज ससंघ 37वां पावन वर्षा योग 2024 पिडावा राजस्थान, ससंघ विराजित आचार्यश्री के सान्निध्य में भव्य सिद्धचक्र महामंडल विधान 7 से 15 तक चलेगा। जिसमे इंद्र इंद्राणीगण विधान मे पीले वस्त्र, मोरमुकुट माला पहनकर सजधज कर विधान में बैठे हैं और विधान में 2024 नारियल मंडवल विधान में संगीतमय नृत्य करते हुए चढ़ाए जाएंगे। प्रतिदिन सुबह श्रीजी की शांतिधारा नित्य नियम पूजन, प्रवचन शाम को संगीतमय आरती जो नगर भ्रमण कर विशाल पाण्डाल में पहुंचकर नृत्य करते हुए हो रही है। आचार्य आजर्व सागरजी महाराज का पिच्छी परिवर्तन समारोह 17 नवम्बर को भव्य पैमाने पर दोपहर 2 बजे मनाया जाएगा। जिसमें इंदौर दिल्ली, सूरत, मद्रास, तमिलनाडु से सैकड़ों की संख्या में महिला पुरुष पहुंचेंगे।

व्यंकटेश बालाजी को लगा छप्पन भोग

इंदौर (नवीन मौर्य)। श्री पद्मावती वेंकटेश देवस्थान विद्या पैलेस कॉलोनी एरोड्रम रोड पर प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी भगवान श्री वेंकटेश बालाजी को छप्पन भोग लगाया गया। चावल रूपी गिरिराज पर्वत पर गिरिराज जी के दर्शन भी इस दौरान हुए।

भजन सम्राट भोपू जी के भजन आओ आओ रे सांवरिया छप्पन भोग लगाओ रे सांवरिया, थाली भरकर लाई खीचड़ो ऊपर घी की बाटकी, म्हारा बाल गोविंदा जी म्हारा घर रमवा आजो जी, छप्पन भोग लगाओ जी जैसे भजनों के साथ भगवान बालाजी को छप्पन भोग अर्पित किया गया। भक्तों ने भजन संध्या का देर रात तक लुफ्त उठाया और इस दौरान झूम कर नृत्य भी भक्तों के द्वारा किया गया। मंदिर परिसर में सुंदर रंगोली भी सजाई गई। मंदिर समिति के दिनेश अग्रवाल, मनोहर सोनी एवं नितिन तापड़िया ने बताया कि इस वर्ष भगवान श्री वेंकटेश बालाजी को नारियल के पानी के प्रयोग से बने हुए छप्पन पकवान का ही भोग लगाया गया था। जिसमें जलेबी, मालपुआ, गुलाब जामुन, रसगुल्ला, लड्डू ,खीर ,खिरान मिक्कर , नमकीन चावल, सेव नमकीन दाल ,मक्खन बड़ा, दही बड़ा ,दही चावल,जलेबी, रबडी सहित कई पकवानों का भोग लगाया गया। इस अवसर पर भगवान वेंकटेश बालाजी के समक्ष चावल के छोटे से गिरिराज पर्वत का भी निर्माण किया गया। भगवान की आरती के पश्चात दर्शन भक्तों के लिए खोले गए।

प्रवर्तक विजयमुनि जी महाराज जीन-श्रूत प्रभाकर अलंकरण से विभूषित

इंदौर समाचार प्रतिनिधि! जन-जन की आस्था के केंद्र प्रातः स्मरणीय प्रसिद्ध वक्ता जगत वल्लभ भारत भुषण पुज्य गुरुदेव जैन दिवाकर चौथमल जी म सा की 147 वीं जन्म जयंती एवं महापुरुषों की जयंती के अवसर चातुर्मास हेतु विराजित प्रवर्तक विजय मुनि जी महाराज को महावीर भवन ईमली बाजार पर भव्य, यशस्वी चातुर्मास की सफलता पर श्री वर्द्धमान श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ ट्रस्ट सकल संघ की और से श्रमण संघिय प्रवर्तक विजय मुनी जी म सा को ÷जिन-श्रुत प्रभाकर÷ एवं उपप्रवर्तक चंद्रेश मुनि जी म सा को ÷प्रवचन प्रभाकर÷ एवं महासती विजया जी म सा को ÷सेवा सिध्देश्वरी संयम निधि÷ की उपाधि से अलंकृत किया गया। चतुर्विध संघ की विशाल समाजजनों एवं पूरे देश से पधारे श्री संघो की उपस्थिति में कार्याध्यक्ष अचल चौधरी, डॉ डेविस नेमनाथ जैन, सुनील सी चोरड़िया, रवि बाफना, टी सी जैन, अभय पोखरना, शरद मेहता, प्रकाश भटेवरा, सतीश तांतेड़, रखब चंद कोटावाले, जिनेश्वर जैन, सुरेश देशलहरा, अभय नाहर, अशोक मंडलीक एवं ट्रस्ट मंडल की साक्षी से महामंत्री रमेश भंडारी ने घोषणा की। घोषणा होते ही जनसमुदाय ने हर्ष के नारों से महावीर भवन को गुंजायमान कर दिया। इस अवसर पर प्रवर्तक विजयमुनि जी महाराज ने कहा कि हम तो संत है हम तो जप, तप, संयम, साधना और धर्म की पालना करते हुए नगर नगर विचरण करते हुए आगम का ज्ञान और भगवान महावीर की देशना को धर्मवाणी के द्वारा जन जन तक पहुँचाने के हमारे लक्ष्य को पूर्ण कर रहे है। इन्दोर महानगर में हम संत मंडल को आप लेकर आये और आप सभी ने खूब धर्मध्यान, जप, तप, त्याग, तपस्या से इस चातुर्मास को सफल बनाया हमारा तो यही सम्मान है। संघ ने हम संतो को जो सम्मान दिया उसके लिए आप सभी साधुवाद के पात्र है। यह इन्दोर का चातुर्मास और आप सभी की धर्म भावना, सेवा, और समर्पण हमारे स्मृति पटल पर सदैव अंकित रहेगा। संचालन प्रकाश भटेवरा ने किया और आभार रमेश भंडारी ने व्यक्त किया।

भजनों से अर्पित की श्रद्धांजलि - प्रसिद्ध भजन गायकों के भजनों पर झूम उठे भक्त

इंदौर। श्री गणेश मंदिर परिसर नंदानगर में स्वर्गीय राम प्यारी देवी मेंदोला की स्मृति में हुई मां प्रणाम भजन निशा में प्रसिद्ध भजन गायकों के भजनों पर हजारों भक्त झूम उठे। जय गणेश महिला रामायण मंडल द्वारा आयोजित ये भजन निशा देर रात तक चलती रही. कैबिनेट मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने भी भजनों की प्रस्तुति दी। इस अवसर कई साधु-संत ऋषी मुनि और महात्मा भी उपस्थित थे। मिनी कुंभ सा नजारा दिखा।

भजन निशा की शुरुआत पंचकुइया पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर श्री रामगोपालदास महाराज, महामंडलेश्वर श्री राधे राधे बाबा,विधायक रमेश मेंदोला ने पूज्य मां की तस्वीर पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन करके की। इसके बाद गायिका श्रद्धा जगताप ने मां तू कितनी अच्छी है इस भजन से शुरुआत की। भजन निशा में बड़ी संख्या में माताओं बहनों सहित लोग उपस्थित थे। भजनों का सिलसिला देर रात तक चलता रहा। जय श्री राम के जयघोष से पूरा परिसर गूंज उठा, सुमधुर भजनों पर भक्त खूब थिरके। आखिरी में कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने भी भजनों की मनमोहक प्रस्तुति दी। आयोजन में हजारों भक्तों का उत्साह देखते ही बन रहा था। भजन गायक श्रद्धा जगताप,मनीषा जंबोडकर,शरद शर्मा,स्वरांश पाठक सहित अन्य ने मां के मन मोह लेने वाले भजनों की प्रस्तुति दी जिससे हर किसी की आँखे नम हो गयी। भजन गायकों का सम्मान कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, आशा विजयवर्गीय और विधायक रमेश मेंदोला ने किया। इस अवसर पर हरिनारायण यादव, एमआईसी सदस्य राजेंद्र राठौर,जीतू यादव, पूर्व एमआईसी सदस्य चंदूराव शिंदे,सूरज रजक भी उपस्थित थे।

न्यायालय नायब तहसीलदार (राजस्व) तहसील देपालपुर जिला इंदौर (मप्र)

क्रमांक/ 894/रीडर/24 देपालपुर दिनांक 07/11/2024 प्रकरण क्रमांक 0077 / अ-3 / 2024-25

विज्ञप्ति

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, **आवेदक-प्रार्थी** श्री शाहरूख पिता करीम खां जाति मुसलमान निवासी दौलताबाद तहसील देपालपुर जिला इन्दौर म.प्र. के द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर निवेदन है कि ग्राम दौलताबाद तहसील देपालपुर जिला इंदौर स्थित भूमि सर्वे नम्बर 67 कुल रकबा 0.870 पैकी रकबा 0.022 हेक्टेयर की भूमि प्रार्थी के नाम से राजस्व रेकार्ड में दर्ज है। आवेदक के द्वारा निवेदन किय है कि उक्त भूमि खसरा /नक्शा/तरमीम बंटाकन मौके कब्जे अनुसार किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिस किसी व्यक्ति या संस्था को उक्त संबंध में कोई आपत्ति हो तो नियत दिनांक 14.11.2024 तक अपनी आपत्ति पेश करे। मियाद बाहर आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 07/11/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन मुद्रा से जारी किया गया।

तहसीलदार तहसील देपालपुर

श्री वैष्णव इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड साइंस में शोध पत्र विकास कार्यशाला का समापन

इंदौर। श्री वैष्णव इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड साइंस द्वारा आयोजित 15 दिवसीय शोध पत्र विकास कार्यशाला का समापन बड़े ही उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इस कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को उच्च गुणवत्ता वाले शोध पत्र तैयार करने की आवश्यक तकनीकों और कौशलों से परिचित कराना था। कार्यशाला के दौरान विद्यार्थियों ने शोध पत्र तैयार करने के विभिन्न चरणों के बारे में सीखा, जिसमें विषय चयन, साहित्य समीक्षा, डेटा संग्रहण, सांख्यिकीय विश्लेषण और अकादमिक लेखन के महत्वपूर्ण पहलू शामिल थे। समापन समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. यामिनी कर्मकार, निदेशक, आईआईपीएस, डीएवीवी, इंदौर ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए शोध कार्य के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अच्छा शोध पत्र न केवल अकादमिक जगत में योगदान देता है, बल्कि विद्यार्थियों के विश्लेषणात्मक और आलोचनात्मक सोच को भी सशक्त बनाता है। डॉ. कर्मकार ने विद्यार्थियों को उत्कृष्टता और मौलिकता के साथ शोध कार्य करने के लिए प्रेरित किया। समापन समारोह कार्यशाला में विकसित बेस्ट दो रिसर्च पेपर को सम्मानित किया गया एवं सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए। कार्यशाला में विधार्थियों द्वारा 35 रिसर्च पेपर विकसित किया गए। संस्थान के निदेशक डॉ. जॉर्ज थॉमस ने कार्यशाला की सफलता पर सभी को बधाई दी। कार्यक्रम में, मैनेजमेंट विभागाध्यक्ष डॉ. मंदीप गिल, प्राध्यापक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यशाला का संयोजन डॉ सपना परिहार ने किया।

माध्यमिक शिक्षा मंडल बोर्ड परीक्षाओं की मूल्यांकन राशि अभी तक नहीं मिलने से शिक्षकों में नाराजगी

इंदौर - माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल द्वारा आयोजित हाईस्कूल एवं हायर सेकण्डरी बोर्ड परीक्षाओं का मूल्यांकन कार्य किए लगभग आठ - नो महीनें हो गए है लेकिन संबंधित अधिकारियों की लापरवाही के चलते बोर्ड मूल्यांकनकर्ता शिक्षकों को अभी तक इसका पारिश्रमिक नहीं मिलने से उनमें नाराजगी व्याप्त है !! शिक्षक संगठन ने नाराजगी जताते हुए बोर्ड ऑफिस के वरिष्ठ अधिकारियों को शीघ्र ही ज्ञापन देने की बात कही है बोर्ड मूल्यांकनकर्ता शिक्षक एवं शासकीय शिक्षक संगठन मध्यप्रदेश के प्रदेश प्रवक्ता एवं पुरानी पेंशन बहाली संघ के जिलाध्यक्ष श्री दिनेश परमार ने कहा कि माह फरवरी 2024 में जिले के सैकड़ों विषयवार शिक्षकों ने मूल्यांकन केन्द्र शाउमावि मालव कन्या इंदौर में मूल्यांकन कार्य किया था, प्रति वर्ष दीपावली पूर्व मूल्यांकन कार्य की राशि संबंधित मूल्यांकनकर्ताओं के खातों में जमा भी हो जाती है लेकिन इस बार दिवाली भी निकल गई एवं लगभग आठ-नो महीने होने के बावजूद पारिश्रमिक नहीं मिला है , जिससे शिक्षकों में नाराजगी है !! श्री परमार ने कहा कि यदि इस सप्ताह मूल्यांकन राशि का भुगतान नहीं किया गया तो माशिमं बोर्ड के सचिव एवं अध्यक्ष सहित इंदौर संभाग आयुक्त एवं कलेक्टर को ज्ञापन देंगे !!

इन्फोबींस फाउंडेशन में ITEP दीक्षांत समारोह सम्पन्न

इंदौर। इन्फोबींस फाउंडेशन द्वारा तकनीकी शिक्षा में उत्कृष्टता के 1 वर्षीय कोर्स ITEP (इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी एक्सीलेंस प्रोग्राम) के समापन पर भव्य दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में राजरतन वायर्स के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक सुनील चोरडिया उपस्थित रहे। उनके करकमलों द्वारा छात्रों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर नए बैच के छात्र और उनके अभिभावक भी सम्मिलित हुए। कार्यक्रम का उद्घाटन इन्फोबींस फाउंडेशन की सह संस्थापिका सुश्री विभा जैन सेठी ने मुख्य अतिथि का स्वागत कर किया। मंच पर संस्था की सह संस्थापिका सुश्री मेघना सेठी, दृष्टि CPS फाउंडेशन से जुड़े प्रमुख श्री आदित्य व्यास तथा IIT इंदौर के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। छात्रों और अभिभावकों ने अपनी खुशी का इज़हार किया क्योंकि उन्हें बड़ी ह्रुझ कंपनियों में नौकरी के अवसर मिले। उन्होंने इन्फोबींस फाउंडेशन की प्रशंसा की। इन्फोबींस टेक्नोलॉजी के सह संस्थापक सिद्धार्थ सेठी ने नए छात्रों और अभिभावकों को नियमित कक्षाओं में भागीदारी की आवश्यकता पर बल दिया और कहा कि फाउंडेशन के लिए समय देना, उसका सही प्रतिदान है। संचालन कैप्टन बी जे सिंह और हर्षिता गुप्ता ने किया। मुख्य अतिथि सुनील चोरडिया ने अभिभावकों और बच्चों को प्रेरित करते हुए जीवन में असफलताओं को सफलता की पहली सीढ़ी बताया और अपनी जीवन यात्रा के प्रेरक अनुभव साझा किए।

डॉ आर पी कौशल स्मरण दिवस कार्यक्रम आयोजित

इंदौर। शासकीय होलकर विज्ञान महाविद्यालय में पूर्व प्राध्यापक डॉ आर.पी. कौशल साहब का स्मरण दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित श्री महेंद्र हडिया जी विधायक महोदय ने अपने उद्बोधन में कहां की डॉ आर.पी. कौशल वह सुप्रसिद्ध नाम है जो आज भी शिक्षा के जगत में बहुत ही श्रद्धा एवं सम्मान के साथ लिया जाता है।

युवा नेता श्री गौरव रणदिवे जी ने भी अपने उदगार व्यक्त किए एवं कहा कि प्रोफेसर आर.पी. कौशल होलकर महाविद्यालय के रसायनशास्त्र विभाग के उन गिने-चुने प्राध्यापकों में हैं जिन्होंने डीएससी की उपाधि प्राप्त की। आप एक कुशल शिक्षक ही नहीं एक प्रसिद्ध वैज्ञानिक भी थे। डॉ आरपी कौशल साहब के पुत्र श्री प्रदीप कौशल जी ने बताया कि डॉ आर पी कौशल सदैव ही मेरिट स्कॉलर के रूप में जाने जाते रहे हैं।होलकर विज्ञान महाविद्यालय से पीएचडी प्राप्त करने वाले आप प्रथम व्यक्ति थे। 1941 में आगरा विश्वविद्यालय ने जब उन्हें डीएससी की उपाधि प्रदान की तब वे महाविद्यालय को यह गौरव दिलवाने वाले प्रथम शोधार्थी बने। 1946 से 1949 तक आप मैनचेस्टर की इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी में स्टेट स्कॉलर रहे। वहां से आने के पश्चात वे होलकर महाविद्यालय में रीडर बने। बायोकेमेस्ट्री विभाग की स्थापना का श्रेय भी उन्हीं को दिया जाता है। आपने अपने महत्वपूर्ण पुस्तकों का संग्रह भी महाविद्यालय को प्रदान किया। महाविद्यालय के जनभागीदारी अध्यक्ष- श्री दिनेश खंडेलवाल जी ने बताया कि कौशल सर ने देश-विदेश में कई स्तरीय सम्मान एवं उपलब्धियां हासिल की हैं। आपके मार्गदर्शन में लगभग 50 शोधार्थियों ने शोध उपाधि प्राप्त की। आपके 100 से ज्यादा शोध पत्र राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए हैं। डॉ आर पी कौशल साहब का जीवन परिचय डॉ अपर्णा गंधे ने प्रस्तुत किया एवं बताया कि हमारे लिए यह गर्व की बातें की हमारे महाविद्यालय का अकादमिक भवन डॉ आरपी कौशल भवन के नाम से से सम्मान जाना जाता है। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी डॉ नागेश डगांवकर भी उपस्थित रहे। आपने कहा कि आज महाविद्यालय आपके 41वे पुण्य स्मरण दिवस पर आपको पुनः स्मरण करता है एवं श्रद्धांजलि व श्रद्धा सुमन अर्पित करता है।

महानगर अग्रवाल समाज के मिलन समारोह में भगवान श्रीनाथजी को 56 भोग, महाआरती

इंदौर। महानगर अग्रवाल समाज इंदौर के दीपावली मिलन एवं अन्नकूट महोत्सव का आयोजन राजीव गांधी चौराहा स्थित शुभ कारज गार्डन पर किया गया। इस अवसर पर समाजबंधुओं ने भगवान श्रीनाथजी का मनोहारी श्रृंगार कर उन्हें छप्पन भोग समर्पित किए। संयोजक राजेश कुंजीलाल गोयल ने बताया कि महाआरती में समाजसेवी विनोद अग्रवाल, रामनारायण अग्रवाल, पूर्व सांसद सत्यनारायण जटिया, पवन सिंघानिया मोयरा, विनोद सिंघानिया, अनिल अग्रवाल, नंदकिशोर कंदोई, समाजसेवी टीकमचंद गर्ग, विष्णु बिंदल, बालकृष्ण छावछरिया बल्लू भैया, अरविंद बागड़ी, सुनील गुप्ता, डॉ. दिव्या गुप्ता, विष्णु गोयल, रमेश गुप्ता पीठेवाले, संजय बांकड़ा, दामोदर मोदी, अजय तेजकरण गुप्ता, धर्मेन्द्र ऐरन, योगेन्द्र ऐरन, बासू टिबड़ेवाल, हेमंत अग्रवाल, मुरलीधर धामानी, मोहन रामचंद्र अग्रवाल, मनीष खजांची, ओमप्रकाश नरेड़ा, मदनलाल गरोठ, राजेश बंसल, किशोर गोयल, राजेन्द्र समाधान, श्याम जिंसी, अरविंद जायसवाल, शशि ऐरन सहित बड़ी संख्या में समाजबंधुओं ने भाग लिया। समाज के करीब तीन हजार बंधुओं ने महाप्रसादी का पुण्य लाभ उठाया। देर रात तक शहर के गणमान्य नागरिकों ने अपनी मौजूदगी दर्ज कराई और एक ङ्कदूसरे को बधाई एवं शुभकामनाएं सौंपी।

शासकीय अष्टांग आयुर्वेद कॉलेज में हुआ शिष्योपनयनीय कार्यक्रम

इन्दौर। वैदिक काल से ही शिक्षा प्राप्ति एवं शास्त्र अध्ययन हेतु विद्यार्थी जब गुरुकुल में अथवा गुरुजनों के पास जाते थे, तो गुरु के द्वारा उनकी परीक्षा ली जाती थी एवं उस शिक्षा-दीक्षा को आरंभ करवाने के लिए जो संस्कार किया जाता था उसे ÷उपनयन संस्कार÷ कहते हैं। प्राचीन समय में गुरु-शिष्य परंपरा के तहत गुरुओं के पास विद्यार्थी को रखा जाता था ताकि वह गुरु से ज्ञान प्राप्त कर देश एवं समाज की सही ढंग से सेवा कर सके। आयुर्वेद शास्त्रों में भी हजारों वर्ष पूर्व आचार्य चरक एवं सुश्रुत ने शिष्योपनयनीय के अंतर्गत इस प्रकार की विधि का वर्णन किया है। इसी परंपरा को जीवंत रखने एवं भारतीय संस्कृति का पोषण करने के उद्देश्य से भारत सरकार, आयुष मंत्रालय ने पूरे देश के आयुर्वेद कॉलेजों में नवीन प्रवेशित सत्र 2024-25 के विद्यार्थियों का ट्रांजिशनल करिकुलम प्रोग्राम शुरू करने का कार्यक्रम बनाया है।

इंदौर के शासकीय अष्टांग आयुर्वेद कॉलेज,लोकमान्य नगर में इस वर्ष एडमिशन लेने वाले विद्यार्थियों का ट्रांजिशनल करिकुलम कार्यक्रम 15 दिवस का रहेगा, उसकी शुरुआत आज 11 नवंबर से की गई । इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. ऋषिकेश मीणा, आईपीएस डीसीपी एवं विशेष अतिथि प्रोफेसर चेतन सिंह सोलंकी, आईआईटी मुंबई उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजीत पाल सिंह चौहान ने ट्रांजिशनल कार्यक्रम की जानकारी दी। उन्होंने बताया की 15 दिनों में नए प्रवेश लेने वाले छात्रों को सभी विषय के व्याख्यान महाविद्यालय के डॉक्टर के द्वारा एवं बाहर से बुलाए गए विशेषज्ञों के द्वारा दिए जाएंगे।

इंदौर जिले में सर्वाधिक चार लाख उपभोक्ता लाभान्वित

गृह ज्योति योजना में पश्चिम क्षेत्र कंपनी ने विद्युत उपभोक्ताओं को दी 151 करोड़ की सब्सिडी

30 लाख से ज्यादा घरेलू उपभोक्ताओं को मिली 1 रूपए यूनिट बिजली

इंदौर। प्रदेश के ऊर्जामंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर के निर्देशानुसार अटल गृह ज्योति योजना का पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा प्रभावी क्रियान्वयन कर प्रत्येक पात्र उपभोक्ता को लाभान्वित किया जा रहा है। 10 नवंबर की स्थिति में पिछले बिल माह के दौरान 30 लाख 55 हजार उपभोक्ताओं को योजना से लाभावित कर प्रथम सौ यूनिट तक बिजली एक रूपए यूनिट से उपलब्ध कराई गई है। एक माह में 151 करोड़ रूपए की सब्सिडी प्रदान की गई हैं।

मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर की प्रबंध निदेशक सुश्री रजनी सिंह ने बताया कि इंदौर रीजन के 8 एवं उज्जैन रीजन के 7 जिलों में अटल गृह ज्योति योजना का अत्यंत गंभीरता से संचालन कर प्रत्येक पात्र उपभोक्ताओं को सब्सिडी प्रदान की जा रही है। योजना के तहत प्रथम सौ यूनिट तक बिजली एक रूपए यूनिट में उपभोक्ताओं को दी जाती है, शेष बिल राशि शासन से सब्सिडी के रूप में कंपनी को मिलती हैं। पात्र उपभोक्ता के 550 रूपए से ज्यादा की अधिकतम सब्सिडी प्रति बिल प्राप्त होती है। प्रबंध निदेशक ने बताया कि इंदौर जिले में 4 लाख घरेलू बिजली उपभोक्ताओं को योजना लाभ दिया गया है, इन्हें 17 करोड़ से ज्यादा की सब्सिडी दी गई है। धार जिले में तीन लाख उपभोक्ताओं को 16 करोड़, उज्जैन जिले में 2.80 लाख उपभोक्ताओं को 13.91 करोड़ ,खरगोन जिले में 2.69 लाख उपभोक्ताओं को 13.39 करोड़, रतलाम जिले में 2.28 लाख उपभोक्ताओं को 11.29 करोड़ की सब्सिडी एक माह में दी गई है। इसी तरह मंदसौर में 2.17 लाख उपभोक्ताओं को 10.54 करोड़, देवास में 2.16 लाख उपभोक्ताओं को 11 करोड़, बड़वानी में 2 लाख उपभोक्ताओं को 10 करोड़ की सब्सिडी दी गई है। अन्य जिलों में 84 हजार से लेकर 1.75 लाख उपभोक्ताओं को 4 करोड़ से लेकर 8 करोड़ रूपए की सब्सिडी एक माह में बिजली बिल में दी गई है। इसी तरह मालवा निमाड़ यानि पश्चिम मप्र में कुल 30 लाख पचास हजार उपभोक्ताओं को 151 करोड़ रूपए की सब्सिडी अटल गृह ज्योति योजना में उपलब्ध कराई गई है। प्रबंध निदेशक सुश्री रजनी सिंह ने बताया कि राज्य शासन की सब्सिडी का प्रत्येक बिजली बिल में उल्लेख होता हैं। योजना के तहत दैनिक 5 यूनिट अधिकतम खपत पर ही पात्रता है, इससे ज्यादा खपत होने पर माह विशेष में योजना लाभ नहीं दिया जाता हैं।

प्रभावित किसानों ने बुधनी विधानसभा क्षेत्र के रेलवे प्रभावित गांव का दौरा किया

इंदौर बुधनी रेलवे लाइन एवं इंदौर बैतूल राष्ट्रीय राजमार्ग के लिए लगातार संघर्ष करने वाले किसान नेता हंसराज मंडलोई ने अपनी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि इंदौर बुधनी रेलवे लाइन के प्रभावित किसानों का जत्था वरिष्ठ किसान नेताओं के नेतृत्व में इंदौर से रवाना होकर बुधनी विधानसभा क्षेत्र में पहुंच कर रेलवे प्रभावित गांव खारड़ा ससली बापचा रूदन खेड़ी हालिया खेडी बगवाड़ा राला नाफसुल्लागंज जो बुधनी विधानसभा क्षेत्र में आते हैं सहित 15 गांव का दौरा किया एवं किसान नेताओं ने सभी गांव में नुक्कड़ मीटिंग करके विदिशा संसदीय क्षेत्र के पूर्व सांसद एवं वर्तमान में बुधनी विधानसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी रमाकांत भार्गव को एक निष्क्रिय जनप्रतिनिधि बताते हुए कहा कि ऐसे व्यक्ति को वोट देने से क्या फायदा जो आपकी आवाज देश की सर्वोच्च पंचायत लोकसभा में नहीं उठा पाया हो एवं आपकी मांगे हल नहीं करवा पाया हो हंसराज मंडलोई ने आगे बताया कि इस मौके पर बोलते हुए वरिष्ठ किसान नेताओं ने बुधनी विधानसभा क्षेत्र के किसानों को भारतीय जनता पार्टी एवं पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज की किसान विरोधी नीतियों के बारे में बताते हुए कहा कि आपका विधायक 20 सालों तक प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे एवं वर्तमान में विदिशा संसदीय क्षेत्र के सांसद होकर देश के कृषि मंत्री हैं हिंदुस्तान में मध्य प्रदेश ही एकमात्र ऐसा राज्य हैं जहां किसानों की जमीन बलपूर्वक कौड़ियों के दम पर छीनकर भूमाफियाओं के सुपुर्द की जा रही है जबकि कांग्रेस ने राहुल गांधी के नेतृत्व में तत्कालीन मनमोहन सरकार के द्वारा बाजार मूल्य से चार गुना वाला एवं 80 प्रतिशत किसान भाइयों की सहमति वाला कानून पास किया था जिसे बाद में नरेंद्र मोदी सरकार ने बदल दिया एवं आज शिवराज की गलतियों के कारण हिंदुस्तान में मध्य प्रदेश की एकमात्र ऐसा राज्य है जहां पर सबसे कम मुआवजा मिलता है ।

श्री कोष्टी समाज महानगर की सम्मेलन की तैयारी आरंभ

इंदौर। श्री कोष्टी समाज महानगर इंदौर परिचय सम्मेलन हेतु इंदौर शहर की चारों कोष्टी समाज कार्यकारिणी की अति आवश्यक बैठक आयोजित की गई थी जिसमें वरिष्ठ संगठन ,महिला संगठन,युवा संगठन के पदाधिकारीगण उपस्थित हुए, सभी सदस्यों ने आगामी कार्यक्रम 5 जनवरी 2025 को होने बाले परिचय सम्मलेन के विषय पर चर्चा कर कार्यक्रम की रूपरेखा बनाई, जिसमें कार्यक्रम स्थल, पुस्तिका सहयोग राशि, विज्ञापन राशि आदि तय की गई एवं सम्पादक मण्डल के सभी सदस्यों को प्रचार प्रसार सामग्री, पैम्फ़्लेट, प्रविष्टि फ़ॉर्म रिक्शा पर लगने वाले बैनर आदि सौंपे गए..

सभी सम्माननीयों का स्वागत किया गया महानगर अध्यक्ष श्री ताराचंद झाँसीवाला जी ने सभी का सुझाव पर चर्चा की संचालन श्री हरिशंकर बेरछा जी और युवा अध्यक्ष मनोज बांगर जी ने किया आभार श्री रतन लाल माठे जी ने माना बैठक में मुख्य रूप से निम्न पदाधिकारीगण उपस्थित हुए :- सर्वश्री ताराचन्द झाँसीवालाजी , रविन्द्र श्रीवंश , दिलीप हेडवे ,कपिल हिडाऊ ,मनोज बांगर रतनलाल माठे , हरिशंकर बेरछा , अशोक हिडाऊ बवन नरिया ओम परेता प्रशांत झांसी वाला योगेश लिखार किशन लाल हेडवे शंकर बांगर दिलीप शुद्ध संजय बांगर मुन्नालाल लिखार आदि उपस्थित हुए।

मोमोज खाकर ग्राहक की तबियत खराब होने पर शिकायत, खाद्य विभाग ने जप्त किए सेंपल

इंदौर ट्रेजर आइलैंड स्थित बार्बी क्यू रेस्टोरेंट में मोमोज खाकर ग्राहक विवेक महसकर की तबियत खराब हुई।तबियत खराब होने पर उन्होंने ग्राहक पंचायत के विधि प्रमुख सुहास पुंडलिक को शिकायत की जिस पर संज्ञान लेते हुए सुहास पुंडलिक और प्रशांत जैन वहां पहुंचे और खाद्य विभाग की टीम को बुलाया जिसके पश्चात जांच हेतु सेंपल लिए गए। शिकायत में पाया गया कि बिना जानकारी

दिए ग्राहक को कच्चे और बांसी मोमोज खिलाए गए और हलाल खाद्य वस्तु परोसी गई ,ग्राहक को इस बारे में सूचित भी नहीं किया गया , नहीं हलाल सर्टिफिकेट को बाहर लगाया गया जिससे ग्राहक जान सके कि वह क्या खा रहा है।खाद्य विभाग द्वारा आज ही खाद्य सेंपल को जांच के लिए तुरंत लेबोरेट्री भेजा गया ।

न्यायालय अपर जिला मजिस्ट्रेट, जिला-खरगोन म.प्र.

क्रमांक / 2459 / वाचक-2 / 2024 खरगोन, दिनांक 6 / 11 / 2024

/ / सूचना-पत्र / /

प्रति,

1- श्री फरीद पिता साबीर 2- श्रीमती नगमा पति फरीद

दोनों निवासी 336 / 2 ग्राम बलकवाडा प.ह.नं 43 खसरा नंबर 137 / 4 तहसील कसरावद जिला खरगोन

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि, प्रार्थी इक्विटास स्मॉल फाइनेंस बैंक पता 1 फलोर स्किम नं. 94 सेक्टर-ई प्लॉट 28 / ई.एम. बी.एस.एन.एल टेलिफोन एक्सचेन्ज के पास बंगाली चौराहा इंदौर द्वारा प्राधिकृत अधिकारी श्री शानू दिवाकर आवेदन प्रस्तुत किया कि ऋणी आपको रूपये 4,71,000 / - का बिजनेस लोन के रूप में स्वीकृत किया गया था। उक्त ऋण बतौर आपके द्वारा अपनी परिसम्पत्ति 336 / 2 ग्राम बलकवाडा प.ह.नं 43 खसरा नंबर 137 / 4 तहसील कसरावद जिला खरगोन (कुल क्षेत्रफल 450 वर्गफीट) को प्रतिभूति आस्ति के रूप में उक्त फर्म में बंधक रखा गया है। आपके द्वारा स्वीकृत ऋण की मासिक किश्तों को चुकाने में चूक किए जाने के कारण उक्त ऋण खाते को नियमानुसार दिनांक 10.07.2024 अनर्जक परिसंपत्ति (एनपीए) के रूप में वर्गीकृत किया गया किया गया है। सिक्युरिटाईजेशन एक्ट 2002 की धारा 13(2) के अंतर्गत प्रतिप्रार्थीगण को ऋण अदायगी मांग पत्र दिनांक 31.07.2024 को प्रेषित कर किया तथा प्रमुख दो समाचार पत्रों में प्रकाशन भी करवाया गया था, तदानुसार सम्पूर्ण बकाया राशि रूपये 04,48,328.00 / - का भुगतान करने की मांग की गई थी, जो 60 दिवस की अवधि बाद तक भुगतान नहीं की गई। उक्त सम्पत्ति का भौतिक कब्जा प्राप्त करना अतिआवश्यक होने से आवेदक फर्म द्वारा वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा-14 के तहत प्रतिभूति आस्तियों का कब्जा दिलाए जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतः आपके उक्त कृत्य के लिए क्यों न आपके विरूद्ध सरफेएसी एक्ट- 2002 की धारा-14 के अन्तर्गत कार्यवाही कर बंधक प्रापर्टी का कब्जा संबंधित बैंक को दिलाया जाएं। इस संबंध में अपना जवाब अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पेशी दिनांक 27 / 11 / 2024 को समय दोपहर 2.00 बजे उपस्थित होकर अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करें। अनुपस्थिति की दशा में प्रकरण में एक पक्षीय कार्यवाही की जावेगी। जिसके लिए आप स्वयं उत्तरदायी होंगे।

अपर जिला मजिस्ट्रेट, जिला-खरगोन, म.प्र.

कार्टून कौना....

तेज रफ्तार कार ने दो बाइक सवारों को रौंदा

रतलाम। रतलाम - बाजना मार्ग पर रविवार की रात को ग्राम रतनगढ़ पीठ में तेज रफ्तार कार क्रमांक RJ27UA9020 ने दो मोटरसाइकिल को टक्कर मारी दी, टक्कर इतनी जबरदस्त थी जिसमें एक मोटरसाइकिल सड़क पर ही चकनाचूर होगी, वहीं दूसरी मोटरसाइकिल खाई में जा गिरी, एक मोटरसाइकिल सवार की मौके पर ही मौत हो गई,वही दूसरी मोटरसाइकिल पर सवार पुलिस सैनिक गंभीर घायल हो गया जिसे उपचार के लिए रतलाम मैडिकल कॉलेज भेजा गया। मृतक के शव का सोमवार को बाजना में पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को दिया। इधर रात में ही बाजना पुलिस को सूचना मिलते ही घटना स्थल पर पहुंची। मिली जानकारी अनुसार बाइक पर सवार किसकी मौके पर ही मौत हो गई उसका नाम हालू (30) उकार भाभर बताया जा रहा है। दूसरी बाइक पर सवार लक्ष्मण कटारा पुलिस सैनिक गंभीर रूप से घाय हो गए, इलाज के लिए गंभीर घायल पुलिस सैनिक को रतलाम मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है। पुलिस ने बताया कि घटना के बाद डायवर मोके से फरार हो गया गाड़ी नम्बर के आधार पर गाड़ी मालिक की तलाश की जा रही है।

स्व.गेहलोत की जन्म जयन्ती पर कांग्रेस जनो ने श्रद्धांजलि दी

सैलाना। सैलाना नगर में सोमवार को क्षेत्र के पूर्व विधायक एवं प्रदेश कांग्रेस महासचिव हर्ष विजय गेहलोत के पिता श्री,सैलाना विधानसभा के पूर्व विधायक एवं मंत्री मालवा क्षेत्र के गांधी विकासपुरुष श्रद्धेय प्रभुदयाल गेहलोत जी की जन्म जयंती पर ब्लाक कांग्रेस सैलाना द्वारा आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में कांग्रेस जनों द्वारा स्व. श्री प्रभुदयाल गेहलोत जी की प्रतिमा पर गेहलोत परिवार सहित कांग्रेस जनो ने पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर स्व. गेहलोत जी के जेष्ठ पुत्र राजेश गेहलोत, पूर्व मंडी अध्यक्ष शेखर गेहलोत, हर्ष गेहलोत स्व. गेहलोत के पौत्र हनी गेहलोत, ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष जगदीश पाटीदार वरिष्ठ नेता जगदीश कुमावत, नगर परिषद अध्यक्ष चेतन्य शुक्ला,वरिष्ठ पार्षद रामप्रसाद चंदेल,पार्षद मंगलेश कसेरा, बद्रीलाल काग, छ्गन भगोरा, तोलाराम, दिनेश सोनी, धनसुख सुराणा, सुनील नाना सेठ, जितेंद्र सिंह राठौर, किशोर पाटीदार, महेंद्र शुक्ला, अशोक चंडालिया, इरफान खान, अजय परिहार, गिरधारीलाल पाटीदार, महेश सांवरिया, विनोद धभाई,बाबूलाल चंडालिया, सुनील मांडोत, मनीष माहेश्वरी, हेमंत कुमावत, धर्मेंद्र डोशी, संजय भंडारी, पिंटू बैरागी, बबलू मोती बंगला, मुकेश प्रजापत, अखिल राठौर, लाला कुमावत, दिलीप डामोर, पंकज परमार सहित कांग्रेस कार्यकर्ता एवं कांग्रेस जन उपस्थित थे।

कलेक्टर राजेश बाथम से प्रशिक्षु आईएएस, आईपीएस अधिकारियों ने मुलाकात की

रतलाम। कलेक्टर राजेश बाथम से सोमवार को प्रशिक्षु आईएएस, आईपीएस अधिकारियों ने मुलाकात की। कलेक्टर द्वारा उनके साथ बैठक आयोजित कर जिले के संबंध में जानकारी साझा की गई। इस दौरान सीईओ जिला पंचायत श्रृंगार श्रीवास्तव, अपर कलेक्टर डॉ. शालिनी श्रीवास्तव, परियोजना अधिकारी शहरी विकास अभिकरण श्री रवि गुप्ता, सहायक परियोजना अधिकारी शहरी विकास अभिकरण अरुण पाठक, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत निर्देशक शर्मा आदि उपस्थित थे। बैठक के दौरान कलेक्टर श्री बाथम द्वारा रतलाम जिले की विभिन्न विशेषताओं तथा विविधताओं के संबंध में प्रशिक्षु अधिकारियों को अवगत कराया गया। जिले के उनके भ्रमण में बिंदुवार विभिन्न स्थानों की जानकारी दी गई। उल्लेखनीय है कि प्रशिक्षु अधिकारी रतलाम जिले में 16 नवंबर तक अध्ययन भ्रमण पर है, इनमें 6 आईएएस अधिकारी तथा पांच आईपीएस अधिकारी एवं एक आईडीएएस अधिकारी जिले के भ्रमण पर आए हैं। आईएएस अधिकारियों में सय्यद आदिल मोहसिन, विपिन दुबे, सचिन राहर, आयुषी प्रधान, सुभांशु कटियार शामिल है। इसी प्रकार आईपीएस अधिकारियों में माधव गुप्ता, सिमरन सिंह, कुहू गर्ग, अनिकेत कुलकर्णी एवं अजीत सिंह शामिल है। एक अन्य अधिकारी हर्षवर्धन पांडे आईडीएएस केडर के हैं।

सीएम हेल्पलाइन में कोई भी शिकायत अटेंड किए बगैर नहीं रहे

रतलाम। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन आमजन के हित में मध्यप्रदेश शासन की अत्यंत महत्वपूर्ण योजना है। अधिकारी सुनिश्चित करें कि सीएम हेल्पलाइन में आने वाली कोई भी शिकायत बगैर अटेंड किए नहीं रहे। यदि कोई शिकायत अटेंड नहीं की जाती तो संबंधित अधिकारी को नोटिस जारी किया जाएगा, इसके आगे भी कार्रवाई की जाएगी। उक्त चेतावनी कलेक्टर राजेश बाथम ने समय सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को दी। सोमवार को बैठक में अपर कलेक्टर डॉ. शालिनी श्रीवास्तव, सीईओ जिला पंचायत श्रृंगार श्रीवास्तव सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर ने समीक्षा के दौरान पाया कि ऊर्जा विभाग, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभागों की ज्यादा शिकायते पेंडिंग है। कलेक्टर ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं सिविल सर्जन को आपसी तालमेल के साथ काम करने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य विभाग में 214 शिकायतें पेंडिंग पाई गई, इसी सप्ताह निराकरण के निर्देश कलेक्टर ने दिए। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की 36 शिकायतें पेंडिंग पाई गई, कलेक्टर ने नाराजगी व्यक्त की, तय समय सीमा में निराकरण के निर्देश दिए। बैठक में उपस्थित सहायक यंत्री श्री नरेश कुवाल ने बताया कि ग्राम सेमलिया नल जल योजना का अपूर्ण कार्य आगामी तीन-चार दिनों में पूर्ण कर दिया जाएगा। जिले में पूर्ण हो चुकी नल जल योजनाओं का हस्तांतरण ग्राम पंचायतों को करने में देरी नहीं हो, यह निर्देश भी कलेक्टर ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को दिए। कलेक्टर द्वारा बैठक में खाद्य एवं औषधि प्रशासन अधिकारियों को ईट राइट कैंपेन के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। ट्राइबल विभाग की पीएम उन्नत ग्राम योजना के संबंध में प्रोजेक्ट प्रस्तावो की समीक्षा कलेक्टर द्वारा की गई, अभी कई विभागों द्वारा अपने प्रस्ताव नहीं दिए गए हैं जिनको शीघ्र उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए।

युवाओं के व्यक्तित्व विकास के लिए अनुकूल अवसर

रतलाम।

शिक्षा का उद्देश्य मात्र डिग्रियां प्राप्त करना ही नहीं है बल्कि युवाओं को संस्कारवान, विचारवान एवं बहुमुखी प्रतिभा का धनी बनाना भी है। उच्च शिक्षा का एक मंत्र यह भी है कि देश की युवाओं के व्यक्तित्व के बहुमुखी विकास के लिए अनुकूल अवसर विद्यार्थी को उपलब्ध कराया जाए, इसी के मद्देनजर युवा उत्सव का आयोजन महाविद्यालय में प्रतिवर्ष किया जाता है।

इस भावना के साथ शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय रतलाम में जिला स्तरीय युवा उत्सव कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन, अतिथियों एवं महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ सुरेश कटारिया द्वारा किया गया। संगीत विभाग की छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई। इसके पश्चात महाविद्यालय स्तर पर आयोजित प्रतियोगिताओं में विजेता रही छात्राओं को अतिथियों के द्वारा प्रमाण पत्र वितरित कर सम्मानित किया गया।

युवा उत्सव की नॉडल अधिकारी एवं संगीत विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. बी. वर्षा ने जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 22 में से 6 विधाओं को छोड़कर बाकी 16 विधाएं महाविद्यालय में आयोजित की जा रही है जिसमें - वक्तृत्व, वाद विवाद, लघु नाटिका, नाटक, एकल नृत्य, समूह नृत्य, व्यंग चित्र और कोलाज प्रतियोगिता सोमवार को आयोजित की गई। 14 नवंबर को चित्रकला, एकल वादन (परकुशन), एकल वादन (नॉन कुशन), एकल पाश्चत्य गायन, समूह पाश्चत्य गायन,एकल गायन शास्त्रीय,भारतीय समूह गायन, भारतीय सुगम संगीत विधाएं आयोजित होंगी।

कार्यक्रम के निर्णायक, वरिष्ठ रंगकर्मी श्री ओ.पी. मिश्रा ने कहा के युवा उत्सव के माध्यम से युवा की सांस्कृतिक, बौद्धिक विधाओं में भागीदारी कर छात्राएं अपनी श्रेष्ठ से श्रेष्ठतम अभिरुचि और कलात्मक क्षमताओं का प्रदर्शन और विकास करती हैं। कार्यक्रम के द्वितीय निर्णायक श्री आशीष दशोत्तर ने कहा कि सभी छात्राओं को अध्ययन के साथ-साथ सभी गतिविधियों में भागीदारी करनी चाहिए जिससे उनके व्यक्तित्व में सर्वांगीण विकास हो सकता है।युवा उत्सव आमतौर पर थीम पर आधारित होते हैं जो कला, शिक्षा या सामाजिक विषयों पर केंद्रित होते हैं एवं छात्राओं के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने और उनकी पाठ्यचर्या गतिविधि के संबंध में उनकी क्षमताओं में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन लाने के लिए महाविद्यालय में आयोजित किया जाता है।

महाविद्यालय के प्राचार्य एवं कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ सुरेश कटारिया ने कहा कि दृढ़ इच्छा शक्ति और आत्मविश्वास युवाओं को अपनी मंजिल दिलाने में सहायक होता है। संगठन और कर्म की भावना हर किसी में होनी चाहिए तभी वह व्यक्तित्व का विकास कर राष्ट्र का विकास कर सकता है। युवा उत्सव में होने वाली प्रतियोगिता में प्रत्येक प्रतिभागी में ऊर्जा का प्रवाह होता है। प्राचार्य श्री कटारिया ने सभी प्रतिभागियों को आशीर्वचन एवं शुभकामनाएं दी एवं विभिन्न महाविद्यालयों के दल प्रबंधको का स्वागत किया।झ जिला स्तरीय युवा उत्सव में विभिन्न महाविद्यालय से छात्र-छात्राओं की टीम कन्या महाविद्यालय में पहुंची जिसमें जावरा महाविद्यालय सैलाना, बाजना, डॉ कैलाश नाथ काटजू विधि महाविद्यालय रतलाम,अरिहंत महाविद्यालय नामली एवं ताल महाविद्यालय से प्रतिभागी उपस्थित हुए। कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक गण एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अनामिका सारस्वत ने एवं आभार डॉ. रोहित चावरे द्वारा किया गया।

जांगिड़ ब्राह्मण समाज मंदिर ट्रस्ट द्वारा देव उठनी ग्यारस पर नि:शुल्क सामुहिक विवाह

रतलाम।

समाज में व्याप्त दहेज प्रथा, वैवाहिक फीजुल खर्च, अंध विश्वास, भेदभाव जैसी कुरतीयों को समाप्त कर सभी प्रकार के जांगिड़ ब्राह्मण समाज को एकजुट करने, समाज को विकास के मार्ग पर अग्रसर करने, समाज को संगठित करने, समाज में जागृति लाने, सामाजिक समरसता के साथ समाज के सबसे कमजोर एवं अंतिम पंक्ति में खड़े हुए व्यक्ति को भी समाज के सभी व्यक्तियों के साथ सम्मान जनक स्थिति में खड़ा करने के उद्देश्य से विगत 14 वर्षो से श्री विश्वकर्मा जांगिड़ ब्राह्मण समाज मंदिर ट्रस्ट एवं नवयुवक मंडल द्वारा रतलाम में सामुहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है।

उक्त जानकारी जांगिड़ ब्राह्मण समाज मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष जनक नागल ने देते हुए बतलाया की इस परम्परा को कायम रखते हुए इस वर्ष भी देव उठनी ग्यारस दिनांक 12 नवम्बर 24 मंगलवार को जांगिड़ ब्राह्मण समाज मंदिर ट्रस्ट के मंदिर श्री विश्वकर्मा घाम नेमीनाथ नगर रतलाम पर भव्य और विराट नि- शुल्क सामुहिक विवाह (15 वा वर्ष), तुलसी विवाह तथा भगवान श्री को छप्पन भोग लगाया जाकर अन्नकूट महाप्रसादी का आयोजन किया जा रहा है।

श्री नागल ने बतलाया की देव उठनी ग्यारस को प्रात- 09 बजे वर वधू पक्ष का आगमन होगा, उसके पश्चात गायत्री परिवार के प्रमुख श्री पातीराम जी शर्मा जी के मार्ग दर्शन में प्रात- 10 बजे से श्री गणेश पूजन, प्रात- 11 बजे तोरण पश्चात वर माला, विवाह संस्कार तथा दोपहर 12.15 बजे से भगवान श्री को छप्पन भोग लगाया जाकर अन्नकूट महाप्रसादी भंडारा का आयोजन किया जाएगा।

ट्रस्ट अध्यक्ष जनक नागल, मंदिर व्यवस्थापक राजेश नागल, नवयुवक मंडल अध्यक्ष रवि वंडेला, महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती रिता नागल सहित समाज के मोतीलाल वंडेला, जितेन्द्र बामनिया, राजेश चवलारेड, सुरेश लतारा, लक्ष्मीनारायण नागल, दिनेश चुहैल, शिवराम कुलरीया, हरिराम भिडोंलिया, गेंदालाल जायलवार, राधेश्याम चिचोलीया, विष्णु भाणनेचा, विनोद लाखा, पुनमचंद्र दायमा, भरतलाल वंडेला, जितेन्द्र नागल, रमेश लाखा, मनोज वुडडल, मुकेश शर्मा, हेमंत वंडेला, पंकज लाखा, परमानंद शर्मा, कमल शर्मा, विरेन्द्र वडेला, राहुल शर्मा एडवोकेट निलेश वुडडल एडवोकेट, मनोहर नागल, नितेश वायवर, जयंती लाल वंडेला, धर्मेन्द्र जोपिंग, प्रवीण नागल, अजय कुलरीया, अंकित माकंड, दिनेश लाखा, राजेश नागल, मुकेश वुडडल, राहुल चुहैल, विवेक वण छलिया, केलाश झाला, नितेश वंडेला, कपिल चिचौलीया, संजय लतारा, राजेश जायलवार, अशोक दायमा, मुकेश अठवासिया अनुज बोदलिया, सुमित नागल शिवम् चुहैल, शुभम वंडेला आदि द्वारा सभी जांगिड़ ब्राह्मण समाज बंधुओं से आग्रह है कि इस पुनित आयोजन में सपरिवार पधार कर आयोजन को सफल बनावें।

जेएसजी मेन एक्स प्रेसीडेंट ग्रुप का गठन

रतलाम। जैन सोश्यल ग्रुप मेन के पूर्व अध्यक्षों की संस्था को मजबूत करने के लिए सभा हुई। इसमें जेएसजी मेन एक्स प्रेसीडेंट ग्रुप का गठन किया गया। पूर्व अध्यक्ष निर्मल लुनिया द्वारा आयोजित सभा में संस्थापक अध्यक्ष श्रेणिक जैन और वरिष्ठ मार्गदर्शक फतेहलाल कोठारी ने मार्गदर्शन दिया। बैठक के आरंभ में आयोजक निर्मल लुनिया ने स्वागत भाषण देते हुए संस्था के 35 सालों की यात्रा पर प्रकाश डाला द्य उन्होंने कहा कि आरंभ से उनका लक्ष्य नई पीढी को संस्था से जोडने का रहा है। आगामी दिनों में नई पीढी के समाजजनों को अधिक से अधिक संस्था से जोडा जाएगा, ताकि पीढी का अंतर पाट सके। बैठक में मार्गदर्शक फतेहलाल कोठारी ने संस्था हित में हर संभव सहयोग देने की घोषणा की। संस्थापक अध्यक्ष श्रेणिक जैन ने इस नए प्रयास की भूरी-भूरी प्रशंसा करते हुए आध्यात्म से जुडने का आव्हान किया। उन्होंने कहा कि आध्यात्म, शांति और सुकुन प्राप्त करने का बेहतर मार्ग है। सभा में पूर्व अध्यक्ष सुशील छाजेड, विमल छाजेड, उपेंद्र कोठारी, महेंद्र कोचर, राजेन्द्र दरडा, नरेन्द्र गादिया, प्रदीप लोढा अशोक बरमेचा एवं अजय सिसौदिया ने विचार रखे। विनोद मेहता ने क्रोध पर नियंत्रण करने का आव्हान किया। उन्होने कहा इससे जीवन मं सुख और शांति प्राप्त होती है। सभा का संचालन कमलेश बुपकिया और अशोक बरमेचा द्वारा किया गया। इस दौरान पूर्व अध्यक्ष संस्थापक श्रेणिक जैन, निर्मल लूनिया, सुशील छाजेड़, नरेन्द्र गादिया, विमल छाजेड़, उपेंद्र कोठारी, राजेंद्र दर्डा, महेंद्र कोचर, प्रदीप लोढ़ा, अशोक बरमेचा, कमलेश बुपकिया, विनोद मेहता, वर्तमान अध्यक्ष अजय सिसौदिया, पूर्व अध्यक्ष परिवार से निर्मला कुंदन छाजेड़, मीना महेंद्र गादिया विशेष रूप से उपस्थित रहे।

नशा मुक्ति के क्षेत्र में एक लाख तक पुरुस्कार

रतलाम। मध्यप्रदेश शासन द्वारा राज्य में नशा मुक्ति के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले समाजसेवियों और स्वैच्छिक संगठनों को प्रोत्साहित करने हेतु राज्य स्तरीय एवं जिला स्तरीय विवेकानंद नशा मुक्ति पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। इसमें राज्य स्तरीय पुरस्कार के रूप में 1 लाख रुपये के दो पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र दिए जाएंगे, जबकि प्रत्येक जिले में तीन पुरस्कार 10 हजार रुपये के होंगे। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण संचालनालय ने इसके लिए योग्य संस्थाओं से आवेदन आमंत्रित किए हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 18 दिसंबर 2024 है। इसे संचालनालय के पते या ई-मेल पर जमा कराया जा सकता है। जिला स्तरीय पुरस्कार के लिए आवेदन जिला कार्यालय में जमा किए जाएंगे। अधिक जानकारी कार्यालयीन समय में संबंधित कार्यालयों या विभागीय वेबसाइट ह्यशष्द्बद्दद्य.द्वद्दह्य.द्दश्र.ष्ठ-द्वशच-द्दश1-द्बद्व से प्राप्त की जा सकती है।

ब्रह्माकुमारी द्वारा यात्री कृपया ध्यान दें प्रोजेक्ट का शुभारंभ

रतलाम।

आध्यात्मिक जागृति द्वारा सड़क दुर्घटनाओं तथा जीवन यात्रा में होने वाली दुर्घटनाओं से मुक्त सुखमय जीवन का आनंद लेने के लिए एक अभिनव प्रोजेक्ट यात्री कृपया ध्यान दें कार्यक्रम का शुभारंभ प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय, डोंगरे नगर स्थित दिव्य दर्शन भवन में दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस कार्यक्रम में अतिथि के रूप में रतलाम ग्रामीण विधायक मथुरा लाल जी डामोर, रतलाम नगर महापौर प्रहलाद पटेल, टेंपो मैजिक यूनियन रतलाम के अध्यक्ष अशोक पंचोली, ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के महासचिव प्रदीप छिपानी, यातायात ट्रैफिक पुलिस अनोखीलाल परमार, मुंबई से पधारे ट्रांसपोर्ट विंग के नेशनल कोऑर्डिनेटर ब्र.कु. कविता दीदी, मुंबई से पधारे वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र.कु. भारती दीदी, इंदौर से पधारे ट्रांसपोर्ट विंग के जोनल कोऑर्डिनेटर ब्र.कु. अनीता दीदी, रतलाम सेवा केंद्र संचालिका ब्र.कु. सविता दीदी आदि उपस्थित रहे।

ब्रह्माकुमारी अनीता दीदी ने कहा कि यह जीवन परमात्मा के द्वारा दिया हुआ अमूल्य उपहार है और ऐसे ईश्वरीय प्रदत्त उपहार जो दुर्घटना में अनायास ही चले जाए अकाले मौत के शिकार हो जाए इससे दुखद बात और क्या हो सकती है। कुछ दुर्घटनाएं तकनीकी खराबियों से होती है लेकिन ज्यादातर दुर्घटनाएं इंसानी भूल के कारण होती है। हर एक अपने स्थान पर जल्दी से जल्दी जाना चाहता है तो जल्दबाजी के चक्कर में वह अपनी मंजिल के बदले वह सीधे परलोक ही पहुंच जाता है। सड़क सुरक्षा के नियम बने हुए हैं उन्हें अनुसरण करना चाहिए।

रतलाम ग्रामीण विधायक मथुरालाल डामोर ने कहा कि हमें यातायात नियमों को आज से ही अपने जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनाना पड़ेगा तभी जाकर हम अपनी अगली पीढ़ी को सुरक्षित यातायात दे पाएंगे।

रतलाम महापौर प्रहलाद पटेल ने कहा कि रतलाम नगर को हमें यातायात व्यवस्था में अग्रणी बनाने के लिए हर एक नागरिक को स्वयं से शुरुआत करनी पड़ेगी जब हम यातायात के नियमों का पालन करेंगे तब खुद ही हमारी अगली पीढ़ी यातायात के नियमों का पालन करेगी।

अशोक पंचोली ने कहा कि किसी भी प्रकार के व्यसन से ग्रस्त होकर तथा मोबाइल का प्रयोग करके वाहन नहीं चलाना चाहिए। साथ ही हमें सीट बेल्ट व हेलमेट पहन कर वाहन चलाना चाहिए।

प्रदीप छिपानी ने कहा कि यातायात नियम हमारी सुरक्षा के लिए बनाए गए हैं, हमें उसका पालन जरूर करना चाहिए उसके लिए हमें खुद के ऊपर संयम रखना जरूरी है। अनोखीलाल परमार ने यातायात के नियमों से सभी को अवगत कराते हुए कार्यक्रम की सराहना की। ब्रह्माकुमारी भारती दीदी, मुंबई ने सड़क दुर्घटना में जान गंवाने वाले लोगों के प्रति शांति और सड़क दुर्घटना में पीड़ितों के प्रति राहत के लिए विशेष मेडिटेशन कराया जिसमें मोमबत्ती जलाकर उनके प्रति श्रद्धांजलि देते हुए सभी को राजयोग का अभ्यास कराया। सेवाकेंद्र संचालिका ब्रह्माकुमारी सविता दीदी ने यातायात नियमों का पालन करने के लिए सभी को प्रतिज्ञा कराई और सभी अतिथियों का आभार प्रकट किया।

कलेक्टर के निर्देशन में रतलाम पुन: उमंग स्कूल हेल्थ एवं वैलनेस में सर्वोच्च स्थान पर

रतलाम।

कलेक्टर राजेश बाथम के निर्देशन में रतलाम जिला 2024-25 में जून से प्रारंभ सत्र में उमंग स्कूल हेल्थ एंड वैलनेस के क्रियान्वयन एवं रिपोर्टिंग में प्रदेश के सभी 52 जिलों में प्रति सप्ताह सर्वोच्च स्थान पर बना हुआ है।

उमंग कार्यक्रम कक्षा 9वीं से 12वीं तक विद्यालय में संचालित कक्षावार सभी सेक्शनों में प्रति मंगलवार सत्र लेकर रिपोर्टिंग की जाती है। माह अक्टूबर की चारों सप्ताह की रिपोर्टिंग में जिले के कुल 187 विद्यालयों में से 157 (84 प्रतिशत) द्वारा 370 सत्रों की रिपोर्टिंग की जाकर रतलाम सर्वोच्च स्थान पर रहा। माह नवंबर की रिपोर्टिंग में जिले के कुल 187 विद्यालयों में से 170 (91 प्रतिशत) विद्यालयों की रिपोर्टिंग के साथ कुल 407 सत्रों की रिपोर्टिंग की जाकर इस बार पुन- 109 प्रतिशत रिपोर्टिंग के साथ रतलाम जिला सम्पूर्ण मध्यप्रदेश के 52 जिलों में से सर्वोच्च स्थान पर रहा।

राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर जीवन कौशल शिक्षा एवं उज्वल श्री योगेश पाल ने बताया कि जीवन कौशल शिक्षा अक्टूबर 2017 से जिले के विकासखण्ड स्तर पर प्रारंभ हुई थी। 2017 से ही सत्र 2019-20 तक रतलाम जिला संपूर्ण मध्यप्रदेश में प्रथम स्थान पर रहा था। सत्र 2021 में रतलाम जिले ने संपूर्ण मध्यप्रदेश में तीसरे स्थान पर रहकर शिक्षा मंत्री श्री इंदरसिंह परमार से ऑनलाईन ट्राफी प्राप्त की थी। उज्वल का क्रियान्वयन सितंबर 2022 से हो रहा है। उमंग एवं उज्वल दोनों में रतलाम क्रमश- 2017 एवं 2022 से संपूर्ण मध्यप्रदेश के जिलों में प्रथम 03 स्थान की सूची में ही रहा है।

उमंग का क्रियान्वयन जिला शिक्षा अधिकारी रतलाम श्रीमती अनीता सागर के निर्देशन में जिले में डी.वी.सी. एवं जिला नोडल अधिकारी, उमंग एवं उज्वल राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर योगेश पाल के नेतृत्व में, जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर राजेश माहेश्वरी जिला सहायक नोडल अधिकारी, श्रीमती सुनीता नारले, श्रीमती सुरभि व्यास, श्रीमती प्रिया जोशी, श्रीमती स्मृति श्रीवास्तव, श्रीमती गुरप्रीत कौर, श्रीमती शिल्पी कुलश्रेष्ठ, सुश्री अंजली पण्डया कर रहें है।

जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती अनीता सागर, सहायक संचालक शिक्षा राहुल मण्डलोई, ए.डी.पी.सी अशोक लोढ़ा, ए.पी.सी.सी.एल. सालित्रा, जिला योजना अधिकारी जितेन्द्र जोशी, आईटी सेल कॉआर्डिनेटर मुकेश ठन्ना एवं रोहित शर्मा, जया जैन, अंजली पण्डया, पुरुषोत्तम रायकवार आदि ने उमंग टीम को बधाई एवं शुभकामनाएँ दी है।

नाम परिवर्तन की सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि पूर्व में मेरा नाम **HUSAIN** था जो कि पुराना नाम है। अब मैंने मेरा नाम परिवर्तित कर नया नाम **HUSSAIN KAPADIA** रख लिया है। अतः अब से मुझे **HUSAIN** के स्थान पर मेरे नए नाम **HUSSAIN KAPADIA** नाम से जाना एवं पहचाना व पुकारा जावे।

हुसैन कपाड़िया S/O अब्बास हकीमुद्दीन कपाड़िया

पता-75, सुतारों का वास रतलाम (म.प्र.) 457001

कार्यालय कृषि उपज मंडी समिति रतलाम, जिला-रतलाम (म.प्र.)

क्रमांक / मंडी/ नि./24-25/953 रतलाम, दिनांक–08.11.2024

:: निविदा आमंत्रण सूचना ::

प्रमुख अभियंता म.प्र. लोक निर्माण विभाग में उपयुक्त (एकीकृत पंजीयन प्रणाली) पंजीकृत निविदाकारो से प्रतिशत दर आधार पर सिस्टम निविदाएँ क्रमांक 2024_MPSAM_380843_1, 2024_MPSAM_380844_1, 2024_MPSAM_380845_1, 2024_MPSAM_380847_1, 2024_MPSAM_380848_1, 2024_MPSAM_380849_1, 2024_MPSAM_380851_1 के अंतर्गत ऑनलाईन निविदाएँ दिनांक 11.11.2024 समय 10.30 से दिनांक 02.12.2024 को साय 5:30 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र एवं अन्य जानकारी निविदाकारों को म.प्र. शासन के ई-निविदा के पोर्टल www.mptenders.gov.in पर प्राप्त होगी. एवं उक्त निविदा से संबंधित समस्त जानकारी मंडी बोर्ड के पोर्टल www.mpmandiboard.gov.in पर भी अवलोकनीय होगी।

नोट- आवश्यक होने पर उपरोक्त निविदा सूचना से संबधित किसी भी प्रकार के संशोधन सूचना अथवा अन्य जानकारी केवल उपरोक्तानुसार पोर्टल पर ही प्रदर्शित किया जावेगा।

सचिव
कृषि उपज मण्डी समिति, रतलाम
जिला-रतलाम (म.प्र.)

भारसाधक अधिकारी
कृषि उपज मण्डी समिति, रतलाम
जिला-रतलाम (म.प्र.)

अफवाहों पर रोक लगाने नया फीचर किया लॉन्च

इन्दौर । मैसेजिंग ऐप व्हाट्सऐप ने फर्जी जानकारी और अफवाहों पर रोक लगाने के लिए एक नया फीचर लॉन्च किया है। व्हाट्सऐप के इस नए फीचर का नाम 'सर्च इमेजेस ऑन वेब' है। इस फीचर के जरिए यूजर्स अब सीधे व्हाट्सऐप पर ही किसी भी वायरल या संदिग्ध इमेज की सच्चाई की जांच कर सकेंगे। एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार, यह फीचर फिलहाल टेस्टिंग के दौर में है, और आने वाले हफ्तों में इसे सभी एंड्राएड यूजर्स के लिए उपलब्ध करा दिया जाएगा। इस फीचर का मुख्य उद्देश्य व्हाट्सऐप पर फैलने वाली फर्जी तस्वीरों और भ्रामक कंटेंट को रोका जा सके। व्हाट्सऐप यूजर्स को इस फीचर का उपयोग करने के लिए किसी भी इमेज पर तीन डॉट्स पर क्लिक करके सर्च ऑन वेब ऑप्शन को चुनना होगा। जैसे ही यूजर्स इस ऑप्शन पर क्लिक करेंगे, एक कंफर्मेशन स्क्रीन दिखाई देगी, जिसे कंफर्म करते ही गूगल पर उस इमेज का रिवर्स सर्च शुरू हो जाएगा। इससे यूजर्स को पता चल जाएगा कि इमेज असली है या कहीं से बदली य फर्जी है। यह फीचर उन इमेजेस के लिए बेहद उपयोगी साबित होगा, जिनकी सत्यता को लेकर संदेह होता है। व्हाट्सऐप का यह कदम गलत सूचना फैलने से बचाने और प्लेटफॉर्म पर भरोसा बनाए रखने में मदद करेगा। फिलहाल यह फीचर कुछ चुनिंदा बीटा टेस्टर्स के लिए उपलब्ध है, लेकिन बहुत जल्द इसे एंडाएड यूजर्स के लिए विस्तारित कर दिया जाएगा।

महेश मूंगड़ बने श्री इंदौर बर्तन निर्माता एवं विक्रेता ट्रस्ट और कसेरा बाजार स्कूल के अध्यक्ष

इंदौर (संदीप सेन)। श्री इंदौर बर्तन निर्माता एवं विक्रेता शैक्षणिक एवं पारमार्थिक ट्रस्ट ने अपने 40 वर्षों के लंबे इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ा है। गोपालदास मित्तल, जो चार दशकों से इस प्रतिष्ठित ट्रस्ट के अध्यक्ष रहे थे, उनके निधन के बाद ट्रस्ट की एक अहम बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में सर्वसम्मति से आजीवन ट्रस्टी महेश मूंगड़ को ट्रस्ट और श्री कसेरा बाजार विद्या निकेतन स्कूल का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। महेश मूंगड़ का नाम इंदौर के सामाजिक और शैक्षणिक जगत में सम्मान के साथ लिया जाता है, और उनके नेतृत्व में ट्रस्ट के विकास की नई संभावनाएं बनी हैं। 22 वर्षों का योगदान और समर्पण महेश मूंगड़ पिछले 22 वर्षों से श्री कसेरा बाजार विद्या निकेतन के मंत्री पद पर अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उनके कुशल मार्गदर्शन और प्रतिबद्धता के चलते विद्यालय ने शिक्षा के क्षेत्र में कई उपलब्धियां हासिल की हैं। उनके नेतृत्व में बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ नैतिकता का भी पाठ पढ़ाया जा रहा है, जो एक अच्छे नागरिक बनने की दिशा में महत्वपूर्ण है। इंदौर के बर्तन व्यवसाय में विशिष्ट पहचान महेश मूंगड़ केवल शैक्षणिक सेवाओं तक सीमित नहीं हैं। उन्होंने इंदौर के बर्तन व्यवसाय में भी अपनी पहचान बनाई है। पूर्व में वे इंदौर बर्तन निर्माता एवं विक्रेता संघ के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। उनके नेतृत्व में संघ ने व्यवसाय के विकास के लिए अनेक कार्य किए और व्यापारियों के हितों का संरक्षण किया। बर्तन व्यापार से जुड़े लोग मूंगड़ को एक आदर्श नेतृत्वकर्ता के रूप में मानते हैं, जिन्होंने व्यवसायिक विकास के साथ सामाजिक उत्थान को भी प्राथमिकता दी। सामाजिक सेवा के प्रति समर्पण मूंगड़ का नाम इंदौर के विभिन्न सामाजिक संगठनों से भी जुड़ा हुआ है। वे वर्तमान में श्री माहेश्वरी पश्चिमांचल प्रादेशिक ट्रस्ट के अध्यक्ष के पद पर कार्यरत हैं। इसके साथ ही, वे कई अन्य सामाजिक संस्थाओं में ट्रस्टी और पदाधिकारी के रूप में समाज सेवा करते आए हैं। उनकी सेवा भावना का असर समाज के विभिन्न वर्गों पर देखने को मिला है, और उनका समर्पण उन्हें अन्य नेताओं से अलग करता है। शहर भर से शुभकामनाओं का तांता महेश मूंगड़ की नियुक्ति पर इंदौर के बर्तन व्यवसायियों, वरिष्ठ नागरिकों, मीडियाकर्मियों, माहेश्वरी समाज के सदस्यों, और घरावराधाम मंदिर ट्रस्ट के प्रतिनिधियों सहित अनेक लोगों ने उन्हें बधाई दी। सभी का मानना है कि उनके कुशल नेतृत्व में ट्रस्ट और स्कूल नई ऊंचाइयों तक पहुंचेगा। माहेश्वरी समाज के लोग भी उन्हें बधाई देते हुए गर्व महसूस कर रहे हैं कि उनका समाज एक ऐसे समर्पित नेता से लाभान्वित हो रहा है, जो समाज और शिक्षा के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। नई योजनाएं और भविष्य की उम्मीदें अध्यक्ष नियुक्त होने के बाद महेश मूंगड़ ने सभी को आश्वस्त किया कि वे समाज और शिक्षा के क्षेत्र में और भी प्रभावी कार्य करेंगे। उन्होंने अपनी योजनाओं पर बात करते हुए बताया कि शिक्षा और व्यवसाय दोनों क्षेत्रों में समृद्धि लाने के लिए नई योजनाएं बनाई जाएंगी। उनके नेतृत्व में श्री इंदौर बर्तन निर्माता एवं विक्रेता ट्रस्ट और कसेरा बाजार विद्या निकेतन स्कूल में समाज की बेहतरी के लिए अनेक कार्य किए जाने की संभावना है। महेश मूंगड़ के कुशल नेतृत्व में ट्रस्ट और विद्यालय के सभी सदस्य एक नई ऊर्जा के साथ कार्य करने के लिए तत्पर हैं। उनकी नियुक्ति से इंदौर के सामाजिक, शैक्षणिक और व्यवसायिक क्षेत्रों में एक नई उम्मीद जागी है, और सभी का विश्वास है कि उनका नेतृत्व ट्रस्ट को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा।

नर्सिंग परीक्षा परिणामों में देरी पर एनएसयूआई का विरोध

शीघ्र रिजल्ट जारी करने की मांग ; उग्र आंदोलन की दी चेतावनी

इन्दौर । भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन ने नर्सिंग परीक्षा परिणामों में देरी पर सवाल खड़े किए हैं। एनएसयूआई के प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार ने सोमवार मध्यप्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति को पत्र लिखकर नर्सिंग के प्रथम एवं तृतीय वर्ष के परीक्षा परिणाम शीघ्र घोषित करने की मांग की है। बता दें, नर्सिंग घोटाले और विश्वविद्यालय की लापरवाही के चलते 2020-21 सत्र की बीएससी नर्सिंग, एमएससी नर्सिंग और पोस्ट बीएससी नर्सिंग प्रथम वर्ष की परीक्षाएं चार साल बाद मई 2024 में आयोजित की गई थीं। इसके अलावा 2019-20 सत्र की बीएससी नर्सिंग तृतीय वर्ष की परीक्षा भी काफी समय बाद मई 2024 में हुई थी। 6 महीने बाद भी रिजल्ट घोषित नहीं रवि परमार ने बताया कि, परीक्षाएं खत्म हुए 6 महीने से ज्यादा हो गए हैं,

कम नमक से मधुमेह और कोलेस्ट्रॉल का बढ़ सकता है खतरा

इन्दौर । स्वस्थ व्यक्तियों को बिना आवश्यकता के कम नमक वाला आहार नहीं लेना चाहिए, क्योंकि इससे मधुमेह और कोलेस्ट्रॉल संबंधी समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है। यह कहना है एक शीर्ष न्यूरोलॉजिस्ट का। विशेषज्ञों का कहना है कि नमक का अत्यधिक कम सेवन भी कई स्वास्थ्य समस्याएं पैदा कर सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, वयस्कों को रोजाना 2000 मिलीग्राम सोडियम (यानी लगभग 5 ग्राम नमक) से कम सेवन की सिफारिश की जाती है। हालाँकि, विशेषज्ञों का कहना है कि स्वस्थ व्यक्तियों में जरूरत से ज्यादा नमक कम करने से इंसुलिन रेजिस्टेंस का खतरा हो सकता है, जिससे मधुमेह की संभावना बढ़ सकती है। इसके अलावा, कम नमक के सेवन से कोलेस्ट्रॉल, ट्राइग्लिसराइड्स और एलडीएल कोलेस्ट्रॉल का स्तर भी बढ़ सकता है। न्यूरोलॉजिस्ट ने यह भी कहा कि शरीर के महत्वपूर्ण कार्यों के लिए सोडियम आवश्यक है, क्योंकि यह मस्तिष्क, तंत्रिका तंत्र और मांसपेशियों के सुचारू कामकाज में मदद करता है। सोडियम की कमी से कमजोरी, थकान, चक्कर आना, और गंभीर मामलों में कोमा और दौरे जैसे लक्षण उत्पन्न हो सकते हैं। वहीं, अधिक नमक का सेवन हाई बीपी वाले लोगों में ब्लड प्रेशर बढ़ा सकता है, खासकर उनमें जिन्हें सॉल्ट-सेंसिटिव हाइपरटेंशन की समस्या होती है। विशेषज्ञों का मानना है कि लगभग 50 प्रतिशत उच्च रक्तचाप वाले लोग नमक के प्रति संवेदनशील होते हैं और उन्हें रोजाना सोडियम का सेवन 2300 मिलीग्राम (5.8 ग्राम नमक) तक सीमित रखना चाहिए। महिलाओं, बुजुर्गों, मोटे लोगों, और क्रोनिक किडनी रोग से ग्रसित व्यक्तियों में नमक के प्रति संवेदनशीलता अधिक पाई जाती है, और इनमें अधिक नमक का सेवन हाई बीपी के जोखिम को बढ़ा सकता है। डॉक्टर ने सुझाव दिया कि स्वस्थ किडनी वाले लोग सामान्य नमक का सेवन कर सकते हैं, जबकि कम नमक लेने वालों को सोडियम की कमी के संकेतों पर ध्यान देना चाहिए। मालूम हो कि डॉक्टरों की ओर से अक्सर हाई बीपी और दिल से जुड़ी बीमारियों से बचने के लिए कम नमक लेने की सलाह दी जाती है, लेकिन यह सलाह सभी के लिए सही नहीं है।

सामान्य बीमारी में नहीं होती एंटीबायोटिक की जरूरत, अतिआवश्यक होने पर ही संतुलित मात्रा में दे एंटीबायोटिक दे

इन्दौर एंटीबायोटिक के अत्यधिक उपयोग से इसका असर कम हो रहा है। इसलिए यह बेहद जरूरी है कि कम से कम बच्चों को तो अतिआवश्यक होने पर ही संतुलित मात्रा में एंटीबायोटिक दे, हर बार एंटीबायोटिक देना सही नहीं होता। यह बात इंफेक्शियस मिमिक्स एंड एंटी बायोटिक टुवर्ड इट विषय पर मुंबई से आए वरिष्ठ शिशु रोग विशेषज्ञ डा. बकुल पारीख ने 26वीं नेशनल कांफ्रेंस आफ पीडियाट्रिक इंफेक्शियस डिजीज में कहीं। डाक्टर पारीख ने कहा कि बच्चों में सर्दी खांसी और दस्त बहुत सामान्य बीमारी है। इसमें तब तक एंटीबायोटिक्स की जरूरत नहीं है जब तक की बच्चे को तेज बुखार, खांसी के साथ सांस फूलना या फिर मोशन में ब्लड जाने जैसे लक्षण दिखाई न दें। कांफ्रेंस के अंतिम दिन बच्चों की सेहत से जुड़े 20 से ज्यादा विषयों पर चर्चा हुई। कांफ्रेंस को संबोधित करते शिशु रोग विशेषज्ञ डा. जयदीप चौधरी ने बताया कि बच्चों को निमोनिया होने की दूसरी वजह धुआं है। अगर घर में चूल्हा जलता है या सिगरेट पीते हैं तो बच्चों में निमोनिया की आशंका बढ़ जाती है। इस दौरान आर्गेनाइजिंग चेयरमैन डा. जेएस टुटेजा, आर्गेनाइजिंग सेक्रेटरी डा. केके अरोड़ा आदि मौजूद थे।

जागरूकता एवं सतर्कता से ही, सायबर अपराध से बचा जा सकता है

डिजिटल अरेस्ट जैसा कोई शब्द कानून में नहीं

इन्दौर। साइबर क्राइम पूरी दुनिया में बड़ी तेजी से बढ़ते जा रहे हैं ,भारत में प्रतिदिन करीब 10 हजार साइबर अपराध हो रहे हैं। इंदौर में प्रतिदिन 35-40 साइबर अपराध की शिकायतें आ रही है यद्यपि बहुत से पीड़ित शिकायत दर्ज नहींकरवाते। इंदौर पुलिस क्राइम ब्रांच ने पिछले 10 महीनो में 9 करोड़ रुपए से अधिक की राशि अपराधियों से वापस करवाई है। साइबर सुरक्षा के लिए जागरुकता एवं सतर्कता ही सबसे बड़ी सुरक्षा है। उक्त विचार ए डी सी पी राजेश दंडोतिया ने समाज सेवा प्रकोष्ठ तथा ज्येष्ठ नागरिक संस्था द्वारा लोकमान्य नगर में आयोजित ,साइबर अपराध जागरूकता कार्यक्रम में व्यक्त किए। श्री दंडोतिया ने बताया कि साइबर अपराध में आर्थिक नुकसान के साथ, जान तक जा सकती है, इस अपराध में महिला, पुरुष, बच्चे, शिक्षित, अशिक्षित, गरीब ,अमीर के साथ सभी जाति भाषा, धर्म के लोग शिकार हो रहे हैं, डिजिटल वर्ल्ड बहुत खतरनाक होता जा रहा है ,इससे बचने के लिए जागरुकता एवं सतर्कता के अलावा कोई उपाय नहीं है । इससे बचाव के लिए अपना ओटीपी,पासवर्ड अथवा अन्य डिजिटल जानकारियां किसी से साझा न करें। अनजान लिंक,वेबसाइट आदि से दूर रहें। अनजान व्यक्ति पर विश्वास बिल्कुल भी नहीं करें, श्री दंडोतिया ने बताया कि डिजिटल अरेस्ट कानून में नहीं है ,कोई भी सरकारी एजेंसी या पुलिस डिजिटल अरेस्ट नहीं करती, अनजान काल आने पर अपना विवेक नहीं खोए।संयम, सतर्कता एवं आत्मविश्वास से बात करें तो आप बच सकते हैं ।अपराध होने पर तत्काल 1930 पर अथवा साइबर अपराध शाखा से संपर्क कर शिकायत करें। साइबर अपराध विशेषज्ञ तथा सेवा निवृत बैंक अधिकारी विजय रान्गणेकर ने कहा कि अपनी व्यक्तिगत अथवा बैंक खाते की जानकारी किसी भी स्थिति में दूसरों के साथ शेयर नहीं करें।हेल्पलाइन नंबर गूगल में नहीं अधिकृत वेबसाइट में देखें। अपने खिलाफ कोई शिकायत या गलती होने पर सरकारी विभाग, बैंक या पुलिस अधिकारी आपके घर या कार्यालय पर आते हैं, राशि किसी अन्य खाते में ट्रांसफर करने का नहीं बोलते हैं, हमारी जरा सी भी लापरवाही बड़ा आर्थिक नुकसान कर सकती है। एसबीआई की 400 फर्जी वेबसाइट चल रही है ।कई बार लोग निवेश में ज्यादा लाभ के लालच में फंसकर,इन अपराधियों के शिकार हो जाते हैं,एवं अपने जीवन भर की कमाई हुई राशि का नुकसान कर बैठते हैं। अतः अपने परिवार के बच्चों को भी मोबाइल से बचाए ,अनजान साइट, लिंक या एप नहीं खोलें। कार्यक्रम में साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ धीरज पुरोहित ने कहा कि अपने बच्चों को मोबाइल फोन की लत से बचाएं।अनजान साईट्स,लिंक या एप नहीं खोलें।

समाज सेवा प्रकोष्ठ के आलोक खरे ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि सायबर अपराधों में वृद्धि भयावह रूप ले रही है एवं समाज की चिंता का विषय है। एक घटना से लोगों के जीवन भर की जमा पूंजी खत्म हो जाती है।उच्च शिक्षित तक इसका शिकार हो रहे हैं। अतः सतर्क एवं जागरूक रहें, जिससे अपराधी सफल नहीं हो सके। प्रारंभ में ज्येष्ठ नागरिक संस्था की ओर से विकास मुजूमदार,विद्या नांदेड़कर जीवन तारलेकर, प्रदीप मोने ने तथा समाज सेवा प्रकोष्ठ की ओर से सुबोध भोरास्कर ,अशोक कापड़नीस ,प्रमोद नाहर,एच डी टोकरिया आदि ने अतिथियों का स्वागत किया।

अतिथियों को स्मृति चिन्ह श्री शफी शेख़ एवं राजेन्द्र चौधरी ने प्रदान किये।

कार्यक्रम का संचालन श्याम पांडे ने तथा अंत में विकास मजूमदार ने आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में सर्वश्री मुकुंद कुलकर्णी ,कमलेश पारे, गजानन नीमगांवकर ,ओ पी जोशी, प्रकाश शर्मा, शोभा तारलेकर ,प्रणिता दीक्षित , छाया मुंशी,प्राची परिहार सहित बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

संगीत संध्या महकती यादें का आयोजन

इंदौर न्यू बीट म्यूजिक क्लास एवं दया सेवा समिति के द्वारा संगीत संध्या महकती यादें का आयोजन इंदौर प्रेस क्लब में किया गया कार्यक्रम का संचालन जया शेट्टी एवं आयोजक देवेन्द्र जैन के आभार प्रदर्शन द्वारा संपन्न हुआ द्य जिसमें सदाबहार युगल एवं एकल गीत एक से बढ़कर एक मशहूर कलाकारों जैसे सूर्यकांत पवार , डॉक्टर श्वेता नेटावट, महेंद्र मिष्ठी , सोनाली सोनी , प्रियंका जैन , रियाजुद्दीन , जितेंद्र चौधरी , लीना श्रीवास , फिरोज खान सुनील नेटावट, किरण नेटावट, अतिथि कलाकार जी.एस अरोरा , राजेश दीवान, ज्योति , मीनाक्षी, दीपा राखड़े आदि ने गीतों के माध्यम से अपनी प्रस्तुति दी कार्यक्रम के आयोजक सूर्यकांत पवार ने ÷दया सेवा समिति संस्था÷ के कार्य की जानकारी देते हुए निर्जीव प्राणी की सेवा करना ही उनका मुख्य उद्देश्य है यह जानकारी देते हुए हमारे मुख्य अतिथि राजेश्वर लोणकर (संचालक पुलिस न्यूज़) एवं विशेष अतिथि इंटक नेता जानकी लाल पटेरिया के साथ गायक कलाकारों को प्रमाण पत्र भेटकर सम्मान किया गया

विश्व हिंदू परिषद गौरक्षा विभाग ने गोपाष्टमी कार्यक्रम आयोजित किया

विहिप के जिला गौ रक्षा प्रमुख दीपक साहू ने बताया कि हर बस्ती में 15 15 लोगों की टीम मिलकर एक देसी गाय रखना चाहिए और हमें यह संकल्प लेना चाहिए कम से कम हमारे घर में देशी गोवंश के उत्पाद मैं से एक इस्तेमाल करेंगे चाहे वह दूध हो धूप दीप हो फिनायल गोबर से बना कांड आदिहोली हमें देश गोवंश के कांडो से बनाना चाहिए। विश्व हिंदू परिषद प्रमुख अन्नू गेहलोत बताया गोपाष्टमी के दिन गाय व गौवंश को स्नान करवाया जाता है और फिर आरती की जाती है। आरती करने के बाद हाथ जोड़कर अभिवादन किया जाता है। गाय में 33 कोटि देवी देवताओं का वास होता है इसलिए गौ पूजन से उनकी भी स्वतः ही पूजा हो जाती है। इसके बाद गाय की सात बार परिक्रमा करें और हरा चारा खिलाएं कार्यक्रम में मंचासीन उपस्थित रहे रहवासी संघ अध्यक्ष पंकज खंडेलवाल सुयश विहार, बद्री प्रसाद यादव , चंद्रशेखर पाठक , भाई साहब आनंद ठाकुर ,मुख्य रूप से उपस्थित रहे सुरेंद्र होव्हाल जी बजरंग दल जिला गोरक्षा प्रमुख ,विशाल शिंदे बजरंग दल जिला सा गोरक्षा प्रमुखप्रखंड अध्यक्ष नंदकिशोर जी थोरात, सहसंयोजक मोनू मौर्य, गौ रक्षा प्रमुख उमेश जी पायमोडे अन्नू गेहलोत रहवासी संघ

इंदौर में लॉन्च हुआ हैदराबादी चाय का नया आउटलेट तांबे के बर्तन में होगी तैयार

इंदौर, इंदौरवासियों के लिए चाय का शौक और भी बढ़ाने के लिए हैदराबादी चाय ब्रांड ने इंदौर में अपना पहला आउटलेट एलआईजी लिंक रोड पर लॉन्च किया है। हैदराबाद में शुरू हुए इस स्टार्टअप ने अब इंदौर में चाय के प्रेमियों को एक नया और अनोखा अनुभव प्रदान करने का लक्ष्य रखा है। चाय के फाउंडर रेहान का मानना है कि इंदौर में चाय के विभिन्न प्रकार की वैरायटी पहले से ही मौजूद है, लेकिन वे एक नया और खास कॉन्सेप्ट लेकर आए हैं जो लोगों के दिलों में अपनी खास जगह बनाएगा। हैदराबादी चाय का विशेष आकर्षण उसकी परंपरागत विधि में है। रेहान बताते हैं कि उनकी चाय तांबे के बर्तनों में तैयार की जाती है, जिससे इसका स्वाद और अधिक निखर कर सामने आता है। इसके अलावा ग्राहकों को इसे परोसने के लिए खास हैदराबादी कप का इस्तेमाल किया जाता है। चाय के इस अलग अंदाज और परोसने के इस नए तरीके का अनुभव चाय प्रेमियों को एक अलग ही एहसास देगा।

रेहान के अनुसार, हम इंदौर के लोगों को हैदराबादी चाय का वही प्रामाणिक स्वाद और परंपरागत अंदाज देना चाहते हैं, जो उन्हें हैदराबाद के आउटलेट्स में मिलता है। हमारे आउटलेट पर चाय की हर कप को खास तरीके से तैयार किया जाएगा ताकि इसके स्वाद में हैदराबादी स्वाद का असली अनुभव मिल सके

नीदरलैंड्स में माहेश्वरी समाज ने धूमधाम से मनाया अन्नकूट और दीपावली मिलन समारोह

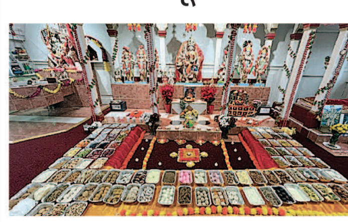

एम्स्टर्डम नीदरलैंड्स में बसे माहेश्वरी समाज ने एम्स्टर्डम के प्रसिद्ध असमाई मंदिर में अन्नकूट और दीपावली मिलन समारोह का समाज के साठ से अधिक परिवार शामिल हुए, जिन्होंने परंपरा और संस्कृति को जीवंत बनाए रखा। संस्था के प्रमुख सदस्य संजय

माहेश्वरी ने बताया समारोह में भगवान को सवा सौ से अधिक विभिन्न व्यंजनों का भोग अर्पित किया गया। भक्तों ने गिरिराज चालीसा का सामूहिक पाठ कर भगवान से समाज के सुख-समृद्धि की कामना की। इस आयोजन के दौरान, माहेश्वरी समाज के सदस्यों ने एकजुट होकर दीपावली के त्योहार का आनंद लिया और अपनी सांस्कृतिक धरोहर को साझा किया।

यह नीदरलैंड्स में माहेश्वरी समाज का पहला अन्नकूट और चौथा आयोजन था, जिसे माहेश्वरी इन नीदरलैंड्स संस्था द्वारा आयोजित किया गया। संस्था के हरीश श्रीकान्ता मूँदडा, आनंद कोमल लाहोटी व राम नीतिशा माहेश्वरी ने बताया कि ÷माहेश्वरी इन नीदरलैंड्स÷ नाम से ही यह संस्था की पहचान होती

कियारा ने गेम चेंजर का टीज़र लॉन्च किया

नवाबों के शहर लखनऊ में अभिनेत्री कियारा आडवाणी अपने सह-कलाकार राम चरण और प्रतिष्ठित निर्देशक एस. शंकर के साथ अपनी आने वाली पेन इंडिया फिल्म ÷गेम चेंजर÷ का बहुप्रतीक्षित टीज़र लॉन्च किया । फिल्म इंडस्ट्री में कियारा का सफर बहुत ही शानदार रहा है। अपनी पेन इंडिया अपील के लिए जानी जाने वाली कियारा ने विभिन्न फिल्म इंडस्ट्रीज़ के बीच एक पुल का काम किया है, जिससे वह देशभर में एक प्रिय चेहरा बन गई हैं। उनके साथ इस इवेंट में शामिल हो रहे हैं राम चरण, जो न केवल भारत में बल्कि विश्व स्तर पर भी अपनी पहचान बना चुके हैं।

युवा शॉर्टकट्स की ओर ज्यादा ध्यान दे रहे

शिक्षा एक बेहतर भविष्य की कुंजी है और इश्क़ जबरिया शो में मोहिनी का किरदार निभाने वाली काम्या पंजाबी इसकी ताकत में गहरी आस्था रखती हैं। काम्या पंजाबी ने कहा, आज के समय में, यह समझना जरूरी है कि शिक्षा सिर्फ किताबों या परीक्षाओं को लेकर नहीं होती है, यह उन कौशल और ज्ञान का निर्माण करने के बारे में है जो हमें सही निर्णय लेने की ताकत देते हैं। । दुर्भाग्यवश, आज के कई युवा शॉर्टकट्स की ओर आकर्षित हो रहे हैं या अस्थायी प्रसिद्धि पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं। लेकिन असली सफलता तो सीखने, निरंतर विकास करने और क्लासरूम से बाहर भी जीवन में उपयोगी ज्ञान अर्जित करने में है

आमिर खान ने बहन निखत को दी शुभकामनाएं

शो दीवानियत लॉन्च होने जा रहा है, जो फैंस को उत्साहित करने के साथ एंगेज भी करने वाला है। इस शो में विजयेंद्र कुमेरिया (देव), कृतिका सिंह यादव (मन्नत), और नवनीत मलिक (जीत) लीड रोल में हैं। मेकर्स ने हाल ही में दिलचस्प प्रोमो रिलीज किया है, जिसमें जीत, मन्नत और देव की कहानी दिखाई गई है, और कैसी एक अंजानी घटना उनकी जिंदगी बदल देती है। सुपरस्टार आमिर खान की बहन एक्ट्रेस निखत खान भी दीवानियत की कास्ट का हिस्सा होंगी। उनकी मौजूदगी दर्शकों के लिए एक रोमांचक सरप्राइज लेकर आएगी। आमिर खान ने अपनी बहन निखत खान को हार्दिक शुभकामनाएं भेजी हैं, क्योंकि वह स्टार प्लस के शो दीवानियत के साथ अपना नया सफर शुरू कर रही हैं। आमिर ने सोशल मीडिया पर अपनी हार्दिक शुभकामनाएं साझा कीं ।

जसलीन की साहिबा का पोस्टर रिलीज़

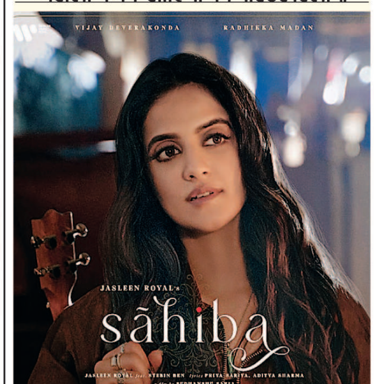

अपनी ग्लोबल हिट हीरिये की शानदार सफलता के बाद, बहु-प्रतिभाशाली संगीतकार और गायक जसलीन रॉयल, जो अब निर्माता भी बन चुकी हैं, अपने नए गाने साहिबा के साथ एक बार फिर दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने के लिए तैयार हैं। इस बहुप्रतीक्षित म्यूजिक वीडियो का पोस्टर आज आधिकारिक रूप से जारी किया गया है, जिसमें सुपरस्टार विजय देवरकोंडा और दमदार कलाकार राधिका मदान की पहली बार जोड़ी दिखाई दे रही है।साहिबा एक टाइमलेस प्रेम गीत होने का वादा करता है और इसे साल का सबसे हिट गाना बनने की उम्मीद है। अपने अनोखे संगीत शैली और दिल छू लेने वाली रचनाओं के लिए जानी जाने वाली जसलीन रॉयल ने इस प्रोजेक्ट में अपनी पूरी आत्मा उड़ेल दी है।

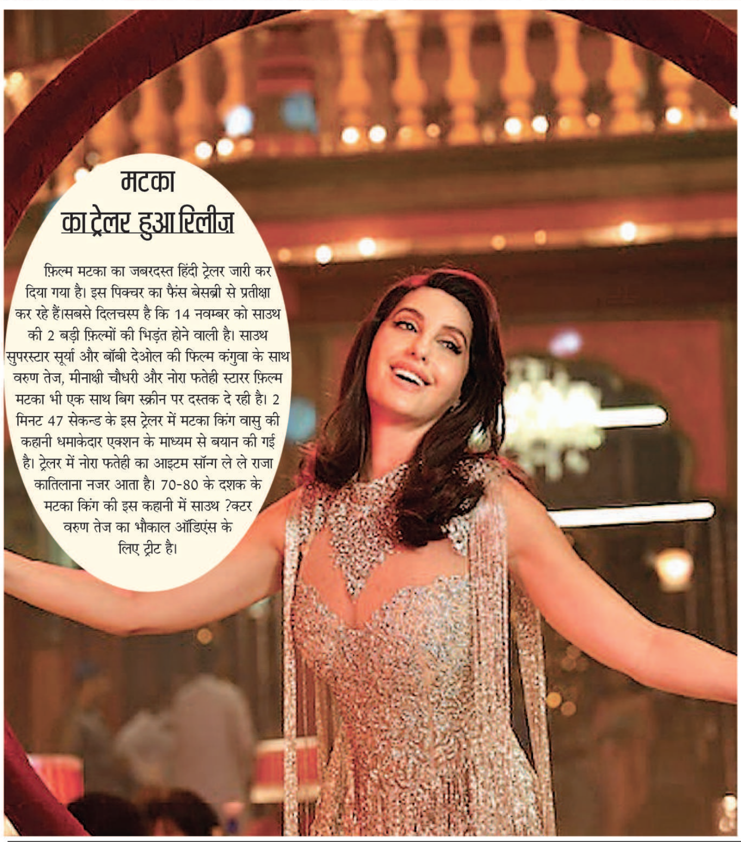

मटका का ट्रेलर हुआ रिलीज़

फ़िल्म मटका का जबरदस्त हिंदी ट्रेलर जारी कर दिया गया है। इस पिक्चर का फैंस बेसब्री से प्रतीक्षा कर रहे हैं।सबसे दिलचस्प है कि 14 नवम्बर को साउथ की 2 बड़ी फ़िल्मों की भिड़ंत होने वाली है। साउथ सुपरस्टार सूर्या और बॉबी देओल की फिल्म कंगुवा के साथ वरुण तेज, मीनाक्षी चौधरी और नोरा फतेही स्टारर फ़िल्म मटका भी एक साथ बिग स्क्रीन पर दस्तक दे रही है। 2 मिनट 47 सेकन्ड के इस ट्रेलर में मटका किंग वासु की कहानी धमाकेदार एक्शन के माध्यम से बयान की गई है। ट्रेलर में नोरा फतेही का आइटम सॉन्ग ले ले राजा कातिलाना नजर आता है। 70-80 के दशक के मटका किंग की इस कहानी में साउथ ?क्टर वरुण तेज का भौकाल ऑडिएंस के लिए ट्रीट है।

शरद केलकर में दिखी धोनी की झलक

जैसे ही शरद ने सोशल मीडिया पर अपना नया हेयरस्टाइल दिखाया, फैंस ने तुरंत उनकी तुलना भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी से करनी शुरू कर दी।शरद के पोस्ट पर ढेरों कमेंट्स आ रहे हैं, जिसमें उनके हेयरस्टाइल को धोनी के लुक से जोड़ा जा रहा है। इतना ही नहीं, कई फैंस ने अभिनेता से धोनी की बायोपिक के पार्ट 2 में किरदार निभाने की मांग की है। धोनी की जिंदगी पर 2016 में एक फिल्म बनी थी जिसका नाम था एमएस धोनी- द अनटोल्ड स्टोरी, जिसमें सुशांत सिंह राजपूत ने मुख्य भूमिका निभाई थी।

तेनाली रामा सोनी सब पर प्रसारित होगा

सोनी सब ने टेलीविजन पर महान तेनाली रामा की वापसी की घोषणा की है। यह बहुप्रतीक्षित शो इस दिसंबर में लॉन्च किया जा रहा है। एक समय विजयनगर के राजा के सम्मानित सलाहकार रहे तेनाली अब एक पतित नायक हैं, जिन्हें बहिष्कृत कर दिया गया है। उन्हें नागरिकों के क्रोध का सामना करना पड़ रहा है। अपनी शानदार बुद्धि, हास्य, आकर्षक व्यक्तित्व के लिए मशहूर तेनाली को अपना उद्देश्य मिल जाता है। वह राज्य को सामने आए खतरे से बचाने के लिए विजयनगर वापस लौटता है।

जय हनुमान में राणा दग्गुबाती की धमाकेदार एंट्री

माइथ्री मूवी मेकर्स की जय हनुमान की घोषणा से ही यह फिल्म लोगों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है। हाल ही में रिलीज किए गए नेशनल अवॉर्ड विनिंग एक्टर ऋषभ शेट्टी के फर्स्ट लुक ने काफी चर्चा बटोरी, और अब, एक्साइटिंग न्यूज यह है कि राणा दग्गुबाती भी कास्ट में शामिल हो गए हैं।राणा दग्गुबाती ने अपने सोशल मीडिया पर ऋषभ शेट्टी और निर्देशक प्रशांत वर्मा के साथ एक तस्वीर पोस्ट की है।

राशि खन्ना और विक्रांत मैसी की प्यारी केमिस्ट्री

पैन-इंडिया स्टार राशि खन्ना ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया पर द साबरमती रिपोर्ट के सेट से पर्दे के पीछे का एक प्यारा सा वीडियो साझा किया, जिसमें प्रशंसकों को उनके सह-कलाकार विक्रांत मैसी के साथ एक मधुर पल की झलक मिली। क्लिप में, विक्रांत को राशि के कान के पीछे नज़र का टीका लगाते हुए देखा गया, जो उसे बुरी नज़र से बचाने के लिए एक इशारा था। इस मनमोहक पल ने प्रशंसकों का खूब ध्यान खींचा है। वीडियो पोस्ट करते हुए राशि ने कैप्शन दिया, दोस्त हो तो मैसी जैसे, नजर ना लगायें... द साबरमती रिपोर्ट में, राशि और विक्रांत उन पत्रकारों की भूमिका निभाते हैं जो भारत की सबसे विवादास्पद घटनाओं में से एक के पीछे की क्रूर सच्चाई को उजागर करने के लिए एक साथ आते हैं।

डेलबार आर्या के 3 स्टाइलिश ब्रालेट लुक्स

डेलबार आर्या से प्रेरित लुक्स साबित करते हैं कि पैंटसूट और ब्रालेट ट्रेंड न केवल वर्सटाइल है, बल्कि यह एक बोल्ड स्टेटमेंट भी है, जिससे आप अपने अंदर की फैशनिस्टा को गले लगाते हुए कंफर्टेबल और कॉन्फिडेंस बनी रह सकती हैं। डेलबार की स्टाइल किसी भी मौके के लिए प्रेरणा देती है।

बॉस बेब व्हाइट पैंट सूट विद ए ट्विस्ट

डेलबार आर्या ने उस समय पावर ड्रेसिंग को फिर से परिभाषित किया जब वह एक शानदार सफेद पैंट सूट में नजर आईं। यह लुक आत्मविश्वास और शान से भरा था, जिसमें एक बोल्ड ट्विस्ट भी था। उन्होंने इस पैंटसूट को एक काले क्रिस-क्रॉस फ्रंट स्ट्रैपी सीमलेस ब्रालेट के साथ पेयर किया, जिससे उनके टोंड एब्स हाईलाइट हुए और क्लासिक आउटफिट में एक साहसी स्पर्श जुड़ गया। उनका मैसी हेयरस्टाइल इस स्टाइलिश वाइब को पूरी तरह से कॉम्प्लिमेंट करता था, जबकि गोल्ड हूप ईयररिंग्स ने एलिगेंट एक्स राइज़िंग का काम किया। न्यूनतम मेकअप और ग्लॉसी पिंक लिप्स के साथ, यह लुक कैजुअल आउटिंग या उन शान से भरे इवेंट्स के लिए एकदम सही है, जहां आप भी एलिगेंट स्टेटमेंट बना सकते हैं।

एफर्टलेसली चिक ब्लैक पैंट सूट

अपने दूसरे शो-स्टॉपिंग अपीयरेंस के लिए, डेलबार आर्या ने एक सिंपल लेकिन चिक ब्लैक पैंटसूट पहना, जिसमें अंदर एक ब्लैक ट्यूब टॉप था। इस मिनिमलिस्ट अप्रोच ने उनके टोंड मिडरिफ को और उनके ग्रेसफुल कॉलरबोन को हाईलाइट किया। उन्होंने अपने बालों को स्ट्रेट और स्लीक रखा और न्यूनतम मेकअप के साथ यह लुक संतुलन बनाते हुए कम्फर्ट और चिक का अद्भुत कॉम्बिनेशन पेश करता है। छोटे स्टड इयररिंग्स ने चमक का हल्का टच दिया, जो आउटफिट को ओवरपावर नहीं करता। यह लुक दोस्तों के साथ ब्रंच या शहर में एक दिन बिताने के लिए एकदम सही है।

जेन-ज़ी रॉकस्टार लुक

अगर आप अपने अंदर के रॉकस्टार को आधुनिक अंदाज में दिखाना चाहती हैं, तो डेलबार आर्या के डेनिम लुक से बेहतर कुछ नहीं है। उन्होंने ब्लैक बैगी डेनिम पैंट्स को एक ब्लैक ब्रालेट के साथ पेयर किया, जिससे उनके टोंड एब्स दिख रहे थे और उन्होंने कूल वाइब्स दीं। इस लुक में और स्टाइल जोड़ने के लिए उन्होंने ओवरसाइज़्ड ब्लू डेनिम जैकेट भी पहनी। यह आउटफिट कैजुअल हैंगआउट्स के लिए परफेक्ट है और दिखाता है कि कैसे ब्रालेट ट्रेंड को कैजुअल रखते हुए भी striking तरीके से कैरी किया जा सकता है।

राग दरबारी

वादा वही जो तोड़ा जाए

मुफ्त की रेवड़ियां बंटने की घंटी बजाई जा रही है। वादों को पूरा करने के लिए वादे किए जा रहे हैं। एक आम आदमी बेचारा गीत गा रहा है। एक वोटर चांदनी रात में धूप से झुलस रहा है। वह दलदल पार्टी के मुखिया से पूछ रहा है- क्या हुआ तेरा वादा, वो कसम वो इरादा! जनता से किए वादे भूलना भी तुम्हारे इरादों का हिस्सा ही होगा। याद है, मुझको तुमने कहा था। हम सबका भला होगा यही कहा था। सपने जो तुमने दिखाए थे सबको। रात में सूरज दिखाए थे हमको। अब वो कैसे पूरे होंगे भला? तुम्हारे भाषण, हर झूठे पैगाम। के तुम्हें कुछ भी याद नहीं। क्या हुआ तेरा वादा? ओ सुनने वाले बहाने बनाना। चुनाव से पहले थे, सब साथ। अब दूर-दूर तक नजर नहीं आते। बस हम रह गए हाथ मलते मलाते। वो ही वादे, वो ही झूठी बातें। के तुम्हें कुछ भी याद नहीं। क्या हुआ तेरा वादा? भूलेगा दिल जिस दिन तुम्हें। वो दिन हमारी उम्मीदों का आखिरी दिन होगा। क्या हुआ तेरा वादा? वो कसम वो इरादा?

इधर गठबंधन बड़े ही ठगबंधन के साथ चले आ रहे हैं। अभी लबचंदन पीरियड चल रहा है। चुनाव परिणाम के बाद यही ठगबंधन कुर्सी के लिए लठबंधन हो जाते हैं। बेचारा वोटर हाथ मलता ही रह जाता है। दलदल पार्टी, रबरदल पार्टी के साथ मिलकर कीचड़ पार्टी में छप-छप करती है। कुर्सी प्राप्ति के लिए सभी प्रकार की उत्तर, दक्षिण, पूर्व, पश्चिम पार्टियां मिलकर एक होकर गीत गाती है- वादा कर ले साथी रे। तेरे बिना हम न रहें। हमारे बिना तू न रहे। होके जुदा! ये वादा रहा, न होंगे जुदा। ये वादा रहा। मैं जनता, तू नेता हमारा। मैं आशा, तू सपना हमारा। हम मिलके कुर्सी जीत जाएंगे। तू कुर्सी, तेरी ताकत। तेरी जीत में मैं भी हूँ हिस्सेदार। हम सब मिलकर कुर्सी साधेंगे। जब से हुई ये गठबंधन की बात। बढ़ने लगी हर दिन मीठी मुलाकात। साथ निभाते रहेंगे सदा। हर हलवे को मिलके खा जाएंगे। जनता के भरोसे का कचरा बनाएंगे। हर हाल में कुर्सी साथ ले जाएंगे। वादा कर ले साथी रे। तेरे बिना हम न रहें। हमारे बिना तू न रहे। होके जुदा। ये वादा रहा, न होंगे जुदा।

इधर चुनाव खत्म, पैसा हजम! बच्चा लोग बजाओ ताली। कानपुर हो या काली। वोटर बेचारा टूटी टांग लेकर टूटी खाट पर पड़ा-पड़ा करहा रहा है। दर्द भरी आवाज से आंसू निकल रहा है- वादा न तोड़, वादा न तोड़। मेरे टूटते सपने कराहें। तू मुंह न मोड़, वादा न तोड़। वादा न तोड़, वादा न तोड़। तूने किए जो वादे सुनहरे। आज क्यों वो सब बिखर रहे। तूने कहा था पानी लाएगा। तूने कहा था सड़क बनाएगा। हर दिन जो तूने उम्मीदें जगाई। पानी में तूने जो आग लगाई। अब खामोशी में डूबी जाएं। तू सत्ता में जब है आया, तूने ही ये सब भुलाया। फिर से तू बड़ा धोखेबाज निकला। वादा न तोड़! बदल रहा है ये मिजाज। सब कुछ बिखरा है मेरा आज। तूने दिखाए जो सपने हजारों। सब लुट गए हैं, पिट गए यारों। तू मुंह न मोड़, मत भूल ये वादे। मार दिए तूने जनता के सारे इरादे। वादा न तोड़! सच्ची राजनीति तो यही है- वादा वही जो तोड़ा जाए। कुर्सी के लिए एक-एक वोट जोड़ा जाए।

रामविलास जांगिड़, 18, उत्तम नगर, घूघरा, अजमेर (305023) राजस्थान

खाद से तय होगी उपचुनाव में हार-जीत !

चुनावी मैदान में आरोप-प्रत्यारोप तेज

इन्दौर। मध्यप्रदेश की दोनों सीटों पर होने वाले उपचुनाव में किस पार्टी को कितने वोट मिलेंगे, यह बुधनी और विजयपुर विधानसभा में उपलब्ध कराए गए खाद पर निर्भर करेगा। वोटिंग से चार दिन पहले खाद को लेकर कांग्रेस ने यह बड़ा दावा कर डाला है।

प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने यहां तक कह दिया है कि यदि किसानों को पर्याप्त खाद मिला होगा तो पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चैहान से अधिक वोट भाजपा प्रत्याशी रमाकांत भार्गव को मिलेंगे। वहीं कांग्रेस नेताओं के ताबड़तोड़ आए बयानों पर पलटवार करते हुए कृषि मंत्री ने कहा है कि दोनों विधानसभा नहीं, पूरे प्रदेश में पर्याप्त खाद उपलब्ध है और भाजपा वोट भी पर्याप्त ही मिलेंगे।

खाद के बदले वोट का मुद्दा

बुधनी और विजयपुर विधानसभा उपचुनाव का प्रचार थमने में महज दो दिन का समय बचा है और मतदान के ठीक पहले कांग्रेस ने खाद के बदले वोट का मुद्दा छेड़ दिया है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने दावा किया है कि केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराजसिंह चैहान के क्षेत्र बुधनी में भी किसानों को खाद नहीं मिल पा रहा है। पिछली बार बुधनी में भाजपा एक लाख आठ हजार से जीती थी। यदि बुधनी में पर्याप्त खाद लोगों को मिला होगा तो इस बार भाजपा को 1 लाख नौ हजार से जीतना चाहिए।

सरकार सब ठीक है का ढोल बजा रही

उन्होंने यह भी कहा कि प्रचार खत्म होने के बाद मैं विजयपुर के आसपास सबलगढ़, शिवपुरी और श्योपुर में डेरा डालूंगा, ताकि विजयपुर में जनमत के साथ लूट न हो सके। इधर, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह के गृह ज़िले सीहोर सहित पूरे प्रदेश में खाद के हालात एक-जैसे ही हैं। कांग्रेस ने एक्स हैंडल पर लिखा कि प्रदेश में खाद की किल्लत चरम पर है, लेकिन भाजपा सरकार सब ठीक है का ढोल बजा रही है। सरकार की इस अनदेखी से किसानों के असंतोष का लावा कभी भी फूट सकता है।

ठीकरा हर बार की तरह ईवीएम पर न फोड़ें

इधर, कृषि मंत्री रामनिवास रावत ने कहा है कि किसानों के खाद को लेकर कांग्रेस को किसी तरह की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। राज्य सरकार के पास पर्याप्त खाद उपलब्ध है। किसानों को खाद के लिए किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी दी जा रही है। व्यवस्थित तरीके से खाद का वितरण कराया जा रहा है। भाजपा मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल ने कहा कि जीतू पटवारी का आकलन सही ही होगा, क्योंकि दोनों उपचुनाव में भाजपा को झोली भरकर वोट मिलने जा रहे हैं। बस जीतू पटवारी से लेकर उमंग सिंघार इस बात पर अडिग रहें कि जनता के जनाधार का ठीकरा हर बार की तरह ईवीएम पर न फोड़ें।

विधानसभा उपचुनाव

विधानसभा उपचुनाव में फंसा भाजपा प्रत्याशियों का भविष्य

रावत और भार्गव के सियासी भविष्य पर 13 को लगेगी मुहर

इन्दौर। मप्र के बुधनी और विजयपुर विधानसभा सीट पर हो रहे उपचुनाव के लिए आज शाम प्रचार थम जाएंगा। 13 नवंबर को दोनों सीटों पर मतदान होगा। इससे पहले आज चुनाव प्रचार के अंतिम दिन दोनों पार्टियों के दिग्गज नेताओं ने अपना पूरा दम लगाया है। इन उपचुनावों को जहां पूर्व मुख्यमंत्री एवं कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, नरेंद्र सिंह तोमर की अग्निपरीक्षा माना जा रहा है, वहीं ये चुनाव भाजपा प्रत्याशियों का भविष्य भी तय करेंगे। प्रदेश में दो सीटों पर हो रहे उपचुनाव सत्ता पक्ष और मुख्य विपक्षी दल के लिए प्रतिष्ठा का विषय है। सरकार ने दोनों सीटों पर एकतरफा जीत के लिए संगठन के साथ मिलकर पूरी ताकत झोंक दी है। दोनों सीटें जीतकर सरकार पार्टी हाईकमान को संदेश देना चाहती है कि उसकी नीतियों और योजनाओं से जनता सरोकार रखती है, जबकि विपक्ष उपचुनाव जीतकर सरकार की नाकामियों को उजागर करने के साथ ही पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह का संचार करना चाहता है। यही वजह है कि कांग्रेस भी चुनाव में पूरी ताकत से प्रचार में जुटी है। मप्र की राजनीति में वर्तमान समय पार्टियों का पूरा फोकस बुधनी और विजयपुर पर है। खासकर भाजपा और कांग्रेस ने अपना पूरा दमखम इन दोनों विधानसभा क्षेत्रों में लगा रखा है। दोनों पार्टियां इन सीटों को जीतकर अपनी धाक जमाना चाहती हैं। बुधनी सीट पर भाजपा के रमाकांत भार्गव और कांग्रेस के राजकुमार पटेल के बीच और विजयपुर में भाजपा के रामनिवास रावत और कांग्रेस के मुकेश मल्होत्रा के बीच मुख्य मुकाबला होगा। चुनाव परिणाम 23 नवंबर को घोषित होंगे। दोनों सीटों पर उपचुनाव भाजपा प्रत्याशियों के लिए खास मायने रखते हैं। क्योंकि इस चुनाव में अगर ये जीतते हैं, तभी आगे की राजनीति में इनको जगह मिलेगी। इसलिए प्रत्याशियों के साथ ही पूरी भाजपा ने इन्हें जिताने के लिए पूरा दमखम लगा रखा है। विजयपुर सीट पर कुल 2,54,647 मतदाता हैं। इनमें पुरुष मतदाता 1,33,554 और महिला मतदाता 1,21,091 हैं। यहां कुल 11 प्रत्याशी उपचुनाव के मैदान में हैं। बुधनी सीट पर कुल मतदाता 2,76,591 हैं। इनमें पुरुष मतदाता 1,43,111,महिला मतदाता 1,33,280 हैं। यहां कुल 20 प्रत्याशी हैं।

विजयपुर विधानसभा की

चारों सीमा पर मौजूद रहेंगे कांग्रेसी

श्योपुर की विजयपुर विधानसभा उप चुनाव में कांग्रेस नेता विजयपुर के निर्वाचन अधिकारी उदय सिंह सिकरवार को शिकायत करके हटवा चुके हैं। उन्होंने कलेक्टर किशोर कन्याल की शिकायत भी चुनाव आयोग से की है। अब आगामी 13 नवंबर को होने वाले उप चुनाव में कांग्रेस ने जिले के 4 अलग अलग बोर्डरों पर तैनात रहने की तैयारी की है। ताकि जहां से भी गड़बड़ी की शिकायत मिलें, कांग्रेसी नेता तत्काल वहां पर एक्शन ले सकें। इसके लिए प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी से लेकर कई पूर्व मंत्री और विधायक विजयपुर विधानसभा के आसपास मौजूद रहेंगे। श्योपुर कांग्रेस जिलाध्यक्ष अतुल चौहान ने जानकारी दी है कि विजयपुर का चुनाव कांग्रेस उम्मीदवार हजारों वोटों से जीत दर्ज कर रहे हैं। जनता की पूरी विधानसभा में जो गूंज है। उसने यह जता दिया है। चौहान ने कहा कि जनता की आवाज से डरी भाजपा अपनी हार को देख प्रशासनिक मशीनरी का दुरुपयोग कर रही है। मतदान के दिन पुलिस और प्रशासन भाजपा की मदद के लिए जनता और कांग्रेस के बूथ कार्यकर्ताओं पर दबाव नहीं बना सके। इसलिए कांग्रेस भी पूरी तरह विधानसभा की चारों सीमाओं पर वरिष्ठ नेताओं और सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ मुस्तैद रहेगी।

कांग्रेस प्रत्याशियों के पास खोने को कुछ खास नहीं

जहां एक तरफ भाजपा प्रत्याशियों का सियासी भविष्य ये उपचुनाव तय करेंगे, वहीं बुधनी से कांग्रेस प्रत्याशी राजकुमार पटेल और विजयपुर से कांग्रेस उम्मीदवार मुकेश मल्होत्रा के पास खोने को कुछ खास नहीं है। बुधनी से कांग्रेस प्रत्याशी राजकुमार पटेल छठी बार विधानसभा का चुनाव लड़ रहे हैं। वे 1992 में बुधनी से उपचुनाव, 1993 व 2003 में विधानसभा चुनाव और पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान के सामने 2006 का उपचुनाव लड़ चुके हैं। पटेल ने 2023 में भोजपुर सीट से विधानसभा चुनाव लड़ा था। पांच चुनावों में पटेल ने सिर्फ एक बार 1993 में जीत दर्ज की थी। ऐसे ही विजयपुर से कांग्रेस प्रत्याशी मुकेश मल्होत्रा इसी सीट से पिछला चुनाव निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में हार चुके हैं, हालांकि उन्हें 44 हजार 128 वोट मिले थे और वे तीसरे स्थान पर रहे थे। इनमें से जो भी प्रत्याशी चुनाव जीतेगा, उसका राजनीतिक बद बढ़ जाएगा और उसके लिए भविष्य में सियासत की राह लंबी होगी।

जीते तो बढ़ेगा कद

विजयपुर में उपचुनाव के नतीजों से वन मंत्री व भाजपा प्रत्याशी रामनिवास रावत का राजनीतिक भविष्य तय होगा। रामनिवास रावत कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए हैं। उनके विधायक पद से इस्तीफा देने के कारण इस सीट पर उपचुनाव हो रहा है। अगर वे चुनाव जीत जाते हैं, तो उनका मंत्री पद बरकरार रहेगा और पार्टी में उनका कद बढ़ेगा, लेकिन यदि रावत चुनाव हार जाते हैं, तो उनका राजनीतिक भविष्य खतरे में पड़ सकता है। उनकी स्थिति पूर्व मंत्री इमरती देवी और गिर्राज दंडोतिया जैसी हो सकती है। ये दोनों नेता 2020 में कांग्रेस छोड़कर भाजपा में चले गए थे। उपचुनाव में हार के बाद उन्हें मंत्री पद छोड़ना पड़ा था। यही वजह है कि रावत उपचुनाव में जीत के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। वहीं लोकसभा चुनाव में विदिशा से सांसद रमाकांत भार्गव का टिकट काटकर शिवराज सिंह चौहान को प्रत्याशी बनाया गया था। उपचुनाव में बुधनी से टिकट मिलने से भार्गव के लिए आगे की राजनीति के द्वार खुल गए हैं। यदि भार्गव चुनाव जीतते हैं, अगले चुनाव में सिटिंग एमएलए के नाते पार्टी के लिए उनका टिकट काटना आसान नहीं होगा, लेकिन उपचुनाव में हार उन्हें राजनीतिक हाशिए पर पहुंचा सकती है।

शिवराज हरियाणा के प्रभारी थे तब 4 सीटें जीते थे : विजयवर्गीय बोले–

जब मुझे बनाया गया तो पहली बार हम जीते भी और सरकार भी बनाई

इन्दौर। ये बात इंदौर में कैलाश विजयवर्गीय ने विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 1 के दीपावली मिलन समारोह कही। उन्होंने राहुल गांधी को लेकर कहा कि कभी-कभार खोटा सिक्का भी चल जाता है, लेकिन बार-बार नहीं चल सकता है। विजयवर्गीय ने मंच से कहा- जब मैं महामंत्री बनकर हरियाणा गया था। उस समय मुझसे पहले हरियाणा के प्रभारी शिवराज जी थे। उस समय हम सिर्फ चार सीट जीते थे। फिर मुझे बुलाया गया। तब अमित भाई अध्यक्ष थे। मुझे बोला गया आपको हरियाणा देखना है और आप यहां से घर नहीं जाएंगे सीधे रोहतक जाएंगे और दो दिन वहीं रहना है। मैंने कहा ठीक है। इसके बाद शाम को हम प्रधानमंत्री जी से मिलने चले गए। उन्होंने कहा, हरियाणा थोड़ा चैलेंजिंग है। जाकर वहां काम करो, फिर मैंने कहा ठीक है। इसके बाद मैं मध्यप्रदेश के 3 हजार कार्यकर्ताओं को हरियाणा लेकर गया। हरियाणा पहली बार हम जीते तो इसमें इंदौर के कार्यकर्ताओं का बहुत बड़ा योगदान है।

हरियाणा जितने पर मैंने सोचा कि, मुझे अब बड़ा पुरस्कार मिलेगा तब मुझे बंगाल का प्रभारी बना दिया गया, तो मैंने वहां हर ब्लॉक में भाजपा को खड़ा किया। कहने का मतलब यह है कि, पार्टी जानती है कि कार्यकर्ता का काम कहां पर और कैसे लेना है।

हरियाणा की जनता ने कांग्रेस के गाल पर तमाचा मारा है

विजयवर्गीय ने आगे कहा कि, हरियाणा की जनता ने कांग्रेस के एक गाल पर तमाचा मारा है। दूसरे पर महाराष्ट्र की जनता तमाचा मारेगी। हरियाणा में सभी सर्वे कांग्रेस की जीत की बात कह रहे थे, लेकिन भाजपा ने वहां शानदार जीत दर्ज की। विकास वहीं होता है, जहां डबल इंजन की सरकार होती है। कांग्रेस शासित राज्यों में कर्मचारियों को सैलरी नहीं मिल पा रही है। जातीय गणना के सवाल पर उन्होंने कहा कि, कांग्रेस हमेशा धर्म और जाति के आधार पर लोगों को बांटने का काम करती है, जबकि मोदी जी विकास की राजनीति करते हैं।

विजयवर्गीय बोले- राहुल गांधी में वह मैच्योरिटी नहीं आई है

कैलाश विजयवर्गीय ने मीडिया से बात करते हुए यूएस चुनाव हारने पर कमला हैरिस को राहुल गांधी के पत्र लिखने पर कहा कि, जो खोटा सिक्का होता है। वह कभी-कभार चलता लेकिन बार-बार नहीं चल सकता है। दुर्भाग्य है कि राहुल जी में वह मैच्योरिटी नहीं आई है। वह संवैधानिक पद पर बैठे हैं। उनके द्वारा किया कृत्य सार्वजनिक तौर पर दुनिया के संज्ञान में आता है, मैच्योरिटी के अभाव में वे ये करते हैं, मुझे लगता है कि कांग्रेस के लोगों को उन्हें सही राय देना चाहिए। कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के जातिगत जनगणना के वादे पर विजयवर्गीय ने कहा कि हम जातिगत जनगणना का विरोध नहीं कर रहे हैं, लेकिन उसके नाम पर समाज को बांट कर जो राजनीति कर रहे हैं। हम उसका विरोध कर रहे हैं। कांग्रेस समाज को बांटकर राजनीति कर रही है। हम उसका विरोध कर रहे हैं।

धीरेंद्र शास्त्री के बयान पर बोले- वे संत हैं, उनकी बात का सम्मान करते हैं

पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के कुंभ में गैर हिन्दू प्रवेश न करने वाले बयान पर विजयवर्गीय ने कहा कि वे संत हैं और हम उनकी बात का सम्मान करते हैं। रामभद्राचार्य के बयान जब तक कृष्ण जन्मभूमि पर फैसला हमारे पक्ष में नहीं आता, तब देश के किसी कृष्ण मंदिर नहीं जाऊंगा। इस पर विजयवर्गीय ने कहा, वे संत हैं, उन्होंने संकल्प लिया है तो जरूर पूरा होगा।

भाजपा का कार्यकर्ता निस्वार्थ भाव से काम करता है

कैलाश विजयवर्गीय ने आगे कहा कि, कार्यकर्ताओं की मेहनत की वजह से विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 1 सदस्यता अभियान में देश में अव्वल रहा है। भाजपा का कार्यकर्ता निस्वार्थ भाव से काम करता है। देश की सेवा करता है। बाकी राजनीतिक दल के कार्यकर्ता कुर्सी के लिए काम करते हैं, लेकिन भाजपा का कार्यकर्ता देश के लिए काम करता है। उन्होंने कहा कि 50 साल पहले कांग्रेस के जमाने में संघ की शाखा में जाने पर भी बड़े सवाल खड़े होते थे और घर आकर लोग शाखा में ना जाने की चेतावनी देते थे। उस समय मेरे पिताजी ने दबाव में आकर मना किया, लेकिन मेरी मां ने शाखा में जाने का समर्थन किया। शाखा में मिले संस्कारों की वजह से मैं आज आपके सामने खड़ा हूं। समाजसेवा और देशभक्ति की सेवा की शिक्षा मुझे आरएसएस से मिली।

इंदौर का माहौल नेताओं ने बिगाड़ा क्या ?

पटाखा फोड़ने के बवाल का असर 10 दिन बाद भी

इन्दौर। इंदौर के छत्रीपुरा में 1 नवंबर की दोपहर दो पक्षों में विवाद और पथराव के 10 दिन बाद भी हालात सामान्य नहीं है। इलाके में पुलिस की आवाजाही अब भी ज्यादा है। लोग घरों में सहमे से हैं। बेहद कम लोग घरों से निकल रहे हैं। मामले में पुलिस पर एकतरफा कार्रवाई का आरोप भी लग रहा है। इस बीच लोगों का कहना है कि इलाके के लोग तो बरसों से मिलजुलकर रहते आए हैं। संप्रदाय से दूर कईयों के राखी के संबंध हैं। पड़ोसियों की मामूली कहासुनी को बाहरी लोगों, नेताओं और मीडिया ने बड़ा रूप दे दिया।

10 दिन बाद कैसा है छत्रीपुरा का माहौल, पढ़िए ग्राउंड रिपोर्ट

रविवार को दैनिक भास्कर की टीम छत्रीपुरा पहुंची। आमतौर पर संडे को यहां चहल-पहल होती है, लेकिन यहां भीतर जाते हुए एक पतली सी गली तक जब हम पहुंचे तो पुलिस ने बैरिकेडिंग कर रखी थी। उसके पास 4-5 पुलिस जवान बैठे नजर आए। ये वही गली है जहां 1 नवंबर को हिंदू और मुस्लिम पक्ष के बीच विवाद और पथराव हुआ था। गली एकदम सुनसान है। ज्यादातर घरों के दरवाजे भीतर से बंद हैं। बच्चे घरों के अंदर हैं, जो खिड़कियों से झांक रहे हैं। गली के दूसरी ओर भी पुलिस के 6- 7 जवान पहरा दे रहे हैं। ये इलाका इंदौर शहर की पुरानी बसाहट का हिस्सा है। यहां बरसों से हिंदू और मुस्लिम आबादी साथ-साथ रहती आई है। जिन परिवारों में झगड़े की शुरुआत हुई, उन दोनों परिवारों के घर आमने-सामने हैं। दोनों घरों के दरमियान 15 फीट चौड़ी सड़क है।

आखिर क्या हुआ था उस रात कि विवाद इतना बढ़ गया

ये सवाल जब हमने इलाके के कुछ लोगों से पूछा तो उन्होंने बताया 31 अक्टूबर दीपावली की रात थी। करीब 12 बजे पटाखों की वजह से सलमान के घर की तिरपाल में आग लग गई थी। आस पास के लोगों ने तुरंत ही आग बुझा दी। जिससे कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ । इसी को लेकर दोनों पक्षों में मामूली कहासुनी हुई, जो रात में ही बातचीत के बाद खत्म भी हो गई।

पथराव तो अगले दिन हुआ, जिससे माहौल बिगड़ा

अगले दिन 1 नवंबर को दोपहर में अचानक दोनों पक्षों में मारपीट और पत्थरबाजी हो गई। लड़ाई कैसे हुई इसको लेकर दोनों पक्षों की अलग-अलग दलील है। इस मामले में अभी तक दो एफआईआर हुई है। पुलिस ने कुछ लोगों की गिरफ्तार भी किया है। सारी गिरफ्तारी एक ही समुदाय के लोगों की हुई है, इसलिए पुलिस पर पक्षपात और राजनितिक दवाब के आरोप भी लग रहे हैं।

वायनाड में होगी प्रियंका गांधी की ऐतिहासिक जीत: सचिन पायलट

वायनाड। कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने दावा किया कि वायनाड लोकसभा उपचुनाव में प्रियंका गांधी वाड्रा की ऐतिहासिक जीत होगी। उन्होंने कहा कि प्रियंका और राहुल गांधी संसद में होंगे, तो भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के आने वाले दिन कठिन होंगे। पायलट शुक्रवार को प्रियंका गांधी के लिए प्रचार करने के लिए वायना पहुंचे। उन्होंने कहा कि जनता में सकारात्मक माहौल है। पायलट ने कहा, मुझे मिले फीडबैक के मुताबिक कांग्रेस और संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) के कैडर एकजुट हैं और जनता में उत्साह है। एक मजबूत भावना है कि प्रियंका गांधी की ऐतिहासिक जीत होगी। पिछले दो दशकों में उन्होंने खुद को एक कुशल नेता साबित किया है और वह वायनाड की जनता के लिए संसद में एक मजबूत आवाज बनेंगी। उन्होंने आगे कहा, राहुल और प्रियंका गांधी संसद में होंगे तो भाजपा और राजग के लिए आने वाले दिन कठिन होंगे। कांग्रेस ने कहा कि उनका लक्ष्य है कि प्रियंका गांधी पांच लाख मतों के अंतर से जीतें। वायनाड को कांग्रेस का गढ़ माना जाता है, आगामी उपचुनाव में प्रियंका गांधी का मुकाबला भाजपा की नव्या हरिदास और वाम गठबंधन के सत्यन मोकरी से होगा।

यह उपचुनाव इसलिए कराना जरूरी हो गया, क्योंकि (लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष) राहुल गांधी ने आम चुनाव में दो सीटों पर जीत हासिल करने के बाद रायबरेली सीट को बरकरार रखा और वायनाड सीट को खाली छोड़ दिया था। वायनाड सीट के लिए उपचुनाव 13 नवंबर को होगा। झारखंड और महाराष्ट्र के विधानसभा चुनावों को लेकर पायलट ने कहा कि दोनों राज्यों के चुनावों में विपक्षी इंडिया गंठबंधन की शानदार जीत होगी। उन्होंने कहा, केंद्र सरकार की एजेंसियों का दुरुपयोग कर विपक्ष की आवाज दबाने की कोशिश की जा रही है। लेकिन जनता हमारी तरफ है और हम जीतेंगे और मजबूत सरकार बनाएंगे। भाजपा की डबल इंजन सरकार ने झूठे वादों से जनता को बहलाने की कोशिश की, लेकिन अब जनता समझदार हो चुकी है। हम महाराष्ट्र और झारखंड में सरकार बनाएंगे।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वत्वाधारी एवं प्रधान संपादक सुनील वर्मा के लिए डीबी कार्प प्रॉ.लि. प्रेस, 44-46/ए, सेक्टर - एफ , इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड,
इन्दौर से मुद्रित तथा 1/4, परदेशीपुरा, इन्दौर (म.प्र.) सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा। * मो.: 9425491979, E-mail: janbhavana.ind@gmail.com